संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -236 गुरूवार ,27 जून 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा स्पीकर बने

» पहले भाषण में इमरजेंसी का जिक्र किया...

» राहुल बोले...आशा है... विपक्ष की आवाज नहीं दबेगी...

नई दिल्ली,26 जून 2024(ए)। ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा के स्पीकर चुने गए। बुधवार, 26 जून को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही प्रोटेम स्पीकर भतृहरि महताब ने स्पीकर के चुनाव की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिरला के नाम का प्रस्ताव रखा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत एनडीए के नेताओं ने समर्थन किया। सदन में ध्वनिमत से बिरला के नाम का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद पीएम मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी उन्हें चेयर तक छोड़ने आए। इससे पहले शिवसेना (यूटीबी) सांसद अरविंद सावंत ने कांग्रेस सांसद के. सुरेश को लोकसभा अध्यक्ष के रूप में चुने जाने का प्रस्ताव रखा। सदन की कार्यवाही ढाई घंटे (सुबह 11 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक) चली।

पीएम ने कहा-आपका अनुभव काम आएगा

बिरला की स्पीकर बनने पर पीएम ने कहा- आपका अनुभव देश के काम आएगा। राहुल गांधी ने कहा-मुझे विश्वास है कि आप विपक्ष की आवाज दबने नहीं देंगे।

सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा-उम्मीद है कि विपक्ष की आवाज नहीं दबाई जाएगी। न ही निष्कासन जैसी कार्रवाई की जाएगी। आपका अंकुश विपक्ष पर तो रहता है, सत्ता पर भी रहे। आपके इशारे पर सदन चलता है, इसका उल्टा न हो। बिरला ने पहले भाषण में आपातकाल को काला धब्बा बताया। 2 मिनट का मौन रखवाया। सत्ता पक्ष ने मौन रखा,लेकिन विपक्ष ने हंगामा किया और कहा...स्पीकर भाजपा का एजेंडा चला रहे हैं। सत्र 27 जून को राष्ट्रपति के अभिभाषण तक स्थगित कर दिया गया।

लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा सभापति दोनों राजस्थान से

बिरला भाजपा के पहले ऐसे सांसद हैं, जो लगातार दूसरी बार स्पीकर बने। वे राजस्थान के कोटा से तीसरी बार जीत कर आए हैं। खास बात यह है कि देश के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ भी राजस्थान से आते हैं।

इमरजेंसी के दौरान जान गंवाने वालों की याद में मौन

स्पीकर ओम बिरला इमरजेंसी के दौरान जान गंवाने वालों की याद में दो मिनट का मौन रखने को कहा। सत्ता पक्ष के सांसदों ने मौन रखा, लेकिन कांग्रेस और विपक्ष के सांसद हंगामा करते रहे। कांग्रेस सांसदों का आरोप था कि स्पीकर भाजपा का एजेंडा चला रहे हैं। मौन के बाद स्पीकर ने गुरुवार तक के लिए संसद को स्थगित कर दिया।

पीएम ने शिक्षा मंत्री का नाम लिया तो विपक्ष ने नारे लगाए

मंत्रिमंडल के परिचय के दौरान जैसे ही पीएम मोदी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का नाम लिया, विपक्ष के सांसदों ने शेम-शेम के नारे लगाए।

नियम टूटते हैं तो कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं

स्पीकर ने कहा- गतिरोध सदन की परंपरा नहीं है। बेल में आना सदन की परंपरा नहीं है। मैं कभी सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई करना नहीं चाहता, लेकिन जब नियम तोड़े जाते हैं तो कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं। विरोध को संसदीय मर्यादा के तहत दर्ज कराएं।

स्पीकर ने आपातकाल की निंदा की,पक्ष-विपक्ष ने नारेबाजी की

ओम बिरला ने कहा-यह सदन 1975 में आपातकाल लगाने की निंदा करता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाकर अंबेडकर के संविधान का अपमान किया था। इंदिरा गांधी ने भारत पर तानाशाही थोपकर लोकतंत्र का अपमान किया गया। अभिव्यक्ति की आजादी छीनी गई। मीडिया पर अनेक पाबंदियां लगा दी गई थी। कई नेताओं को मीसा के तहत बंद किया। जैसे ही स्पीकर ने निंदा प्रस्ताव रखा, पक्ष और विपक्ष से नारेबाजी शुरू हो गई।

स्पीकर बोले...पक्ष और विपक्ष मिलकर सदन चलता है

हमारी युवा पीढ़ी संविधान को जाने,संविधान को समझे। मेरी कोशिश रहेगी कि मैं सभी सदस्यों को पर्याप्त समय दूं। सभी पक्षों के विचार यहां आनी चाहिए। हम अलग-अलग विचारधारा से चुनकर आते हैं, लेकिन देश सबसे पहले हैं। जिन मुद्दों पर असहमति होगी, आप उसे व्यक्त करेंगे। आप चर्चा में सुझाव भी देंगे। पक्ष और विपक्ष मिलकर सदन चलता है। मेरी कोशिश रहेगी कि सबसे मिलकर सदन चलाऊं। किसी दल का एक सदस्य भी हो, तो उसे मौका दूं। क्योंकि वह भी चुनकर आए हैं। मेरी अपेक्षा रहेगी कि आप सब निर्बाध रूप से सदन चलाएंगे।

स्पीकर बोले...जनता की अपेक्षाएं बड़ी हैं...हमें उन्हें पूरा करना होगा...

विपक्ष के सांसदों के भाषण के बाद एक बार फिर स्पीकर ओम बिरला ने भाषण देना शुरू किया। उन्होंने कहा... पीएम मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनी है। जनता की आकांक्षाएं अपेक्षाएं बढ़ी हैं। इसलिए हमारा दायित्व है कि हम जनता की अपेक्षाएं पूरी करें। यह हमारे रचनात्मक चिंतन की लोकसभा होनी चाहिए। पक्ष-विपक्ष की मर्यादित सहमति होनी चाहिए। सार्थक चर्चा और संवाद हो। विकसित भारत के संकल्प के साथ काम हो। मैं अपने पूर्व के स्पीकर्स को भी याद करना चाहता हूं, जिन्होंने इस सदन की मर्यादा बनाई। मैंने कोशिश की कि हर सदस्य को पर्याप्त समय मिले। 281 नए सदस्य चुनकर आए हैं, मैं उन्हें बधाई देता हूं। वे संसदीय मर्यादाओं का पालन करें और अपने सीनियर्स से अनुभवों का लाभ लेंगे।

एक ही टेबल पर आमने-सामने बैठेंगे पीएम मोदी और राहुल गांधी

रायबरेली लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता चुने गए। कांग्रेस ने मंगलवार को राहुल गांधी को 18वीं लोकसभा में नेता विपक्ष बनाए जाने का ऐलान किया था। देर रात इंडिया ब्लॉक की बैठक में राहुल को लेकर फैसला लिया गया। उसके बाद कांग्रेस संसदीय बोर्ड की चेयरमैन सोनिया गांधी ने प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब को पत्र लिखा और इस फैसले की जानकारी दी। विपक्ष का नेता बनने के साथ ही राहुल गांधी को अब कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिल गया है। इससे प्रोटोकॉल सूची में उनका स्थान भी बढ़ गया और वे विपक्षी गठबंधन के पीएम फेस के दावेदार हो गए। पांच बार के सांसद का यह पहला संवैधानिक पद है, जो राहुल गांधी ने अपने ढाई दशक से ज्यादा लंबे राजनीतिक करियर में संभाला है। विपक्ष का नेता बनने के साथ ही पीएम मोदी और राहुल गांधी कुछ-कुछ मौके पर एक ही टेबल पर आमने-सामने बैठते हुए दिखेंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी केंद्रीय सतर्कता आयोग, केंद्रीय सूचना आयोग और एनएचआरसी प्रमुख के अलावा लोकपाल, सीबीआई प्रमुख, मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति वाले महत्वपूर्ण पैनल के सदस्य होंगे। प्रधानमंत्री भी ऐसे सभी पैनलों के प्रमुख होते हैं। इन सारी नियुक्तियों में राहुल नेता प्रतिपक्ष के तौर पर उसी टेबल पर बैठेंगे, जहां प्रधानमंत्री और सदस्य बैठेंगे। इन नियुक्तियों से जुड़े फैसलों में प्रधानमंत्री को नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी से भी उनकी सहमति लेनी होगी। उनकी राय और मशविरा मायने रखेगा। राहुल सरकार के आर्थिक फैसलों की लगातार समीक्षा कर पाएंगे और सरकार के फैसलों पर टिप्पणी भी कर सकेंगे। वे 'लोक लेखा' कमेटी के भी प्रमुख बन जाएंगे, जो सरकार के सारे खर्चों की जांच करती है और उनकी समीक्षा करने के बाद टिप्पणी भी करती है।

राहुल गांधी को मिली ये शक्तियां और अधिकार

- कैबिनेट मंत्री के बराबर रैंक
- सरकारी सुसज्जित बंगला
- सचिवालय में दफ्तर
- उच्च स्तरीय सुरक्षा
- मुफ्त हवाई यात्रा
- मुफ्त रेल यात्रा
- सरकारी गाड़ी या वाहन भत्ता
- 3.30 लाख रुपए मासिक वेतन-भत्ते
- प्रति माह सत्कार भत्ता
- देश के भीतर प्रत्येक वर्ष के दौरान 48 से ज्यादा यात्रा का भत्ता
- टेलीफोन,सचिवीय सहायता और चिकित्सा सुविधाएं

कोर्ट से अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका

» तीन दिन की सीबीआई रिमांड पर भेजा

नई दिल्ली,26 जून 2024(ए)। दिल्ली शराब घोटाले से संबंधित मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तीन दिन की सीबीआई रिमांड पर भेज दिया है। बीते मंगलवार को सीबीआई ने तिहाड़ जेल से अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। दिल्ली शराब घोटाला मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तीन दिन की सीबीआई रिमांड पर भेज दिया है।

झूठी खबर प्लांट करके सनसनी फैलाने की कोशिश-आप नेता

आम आदमी पार्टी की नेता रीना गुप्ता ने बताया कि सबसे बड़ी बात ये है कि सीबीआई के पास दो साल से ये 50,000 दस्तावेज हैं, उन्होंने कभी अरविंद केजरीवाल को नहीं बुलाया। अब अचानक से अरविंद केजरीवाल को गवाह से आरोपी कैसे हो गए। ये सीधा-सीधा राजनीतिक षडयंत्र था कि केजरीवाल बाहर न आएं, इसलिए आज सीबीआई के जरिए उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।

आप नेता जस्मीन शाह बोले-सीबीआई का कोर्ट में झूठ पकड़ा गया

आप नेता जस्मीन शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जांच एजेंसी सीबीबाई कोर्ट में झूठ बोलते हुए पकड़ी गई। सीबीबाई ने अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करके राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। जज ने भी यह बात मानी है कि सीबीआई जो कह रही है और उसके पास जो सबूत हैं, उसमें कोई तालमेल नहीं है।

आप सांसद संजय सिंह ने सीबीआई पर कसा तंज

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि पहली बार अरविंद केजरीवाल को गवाह के तौर पर 16 अप्रैल 2023 को बुलाया गया था। सीबीआई बार-बार मनीष सिसोदिया की जमानत के मामले में वही कहानी दोहराती रही है, जो आज अरविंद केजरीवाल के मामले में दोहरा रही है। जिस मगुंटा रेड्डी के बयान को सीबीआई केजरीवाल की गिरफ्तारी का आधार बना रही है, वही मगुंटा रेड्डी जुलाई 2023 में मनीष सिसोदिया के मामले में अपना बयान दे चुका है। जब ट्रायल कोर्ट केजरीवाल को जमानत दे चुका था, सुप्रीम कोर्ट जमानत देने वाला था तब इन्हें मैगुंटा रेड्डी के बयान की याद क्यों नहीं आई? कल प्रधानमंत्री मोदी आपातकाल का रोना तो रो रहे थे, मैं समझता हूं आज इससे बड़ा आपत्काल कोई नहीं हो सकता।

आप नेता रीना गुप्ता ने क्या कहा

आप नेता रीना गुप्ता ने कहा कि कोर्ट ने अभी तक कोई आदेश नहीं दिया है। जज दोपहर साढ़े चार बजे आदेश सुनाएंगे। सीबीआई कोशिश कर रही है लेकिन अभी तक कोई केस नहीं है।

चीरघर में मुर्दों को भी लूटा जा रहा

» पोस्टमार्टम हाउस में हो रहा था ये खेल

हरदोई,26 जून 2024(ए)। हरदोई में पोस्टमार्टम हाउस में मुर्दों को भी नहीं छोड़ा। यहां पोस्टमार्टम के दौरान शव के जेवर उतारकर गायब करने, नकली जेवर पहना देने का मामला सामने आया है। महिला सिपाही की शिकायत के आधार पर हुई जांच के बाद आउटसोर्सिंग से कार्यरत दो कर्मचारियों को हटाया गया है। इनमें से एक कर्मचारी ने नकली जेवर पहनाए जाने की बात कहते हुए कई आरोप लगाए हैं। मामले की विस्तृत जांच के लिए सीएमओ ने चार सदस्यीय कमेटी गठित की है।

17 जून को पुलिस लाइन में तैनात महिला सिपाही निक्की ने सीएमओ डा. रोहताश कुमार से शिकायत की। बताया कि उनकी बहन पिंकी की मौत नौ अप्रैल को हो गई थी। उसका पोस्टमार्टम कराया गया था। पोस्टमार्टम के लिए ले जाते वक्त उसकी बहन के कान और नाक में सोने की बाली थी। पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचने पर शव देखा तो बाली गायब थीं। सीएमओ उप मुख्य चिकित्साधिकारी डा. सुरेंद्र कुमार व सीएचसी अहिरोरी के अधीक्षक मनोज कुमार सिंह से जांच कराई। इसकी रिपोर्ट के बाद सीएमओ ने पोस्टमार्टम हाउस में तैनात आउटसोर्सिंग कर्मी रूपेश पटेल और वाहिद को बर्खास्त कर दिया।

जांच के बाद हटाए गए कर्मचारी रूपेश ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि पोस्टमार्टम हाउस के अंदर कई कर्मचारी नकली जेवर रखते थे। वे मौका पाकर असली जेवर उतारने के बाद नकली जेवर शव को पहना देते थे। इसके बाद असली जेवर को बेचकर रकम को बांट लेते थे। सीएमओ डॉ. रोहताश कुमार का कहना है कि पोस्टमार्टम हाउस में डेड बॉडी के गहने निकालने के मामले में प्रारंभिक जांच के बाद वार्ड ब्वाय रूपेश कुमार को बर्खास्त कर दिया गया था। साथ ही स्वीपर के भी खिलाफ कार्रवाई की गई। अब मंगलवार को चार सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। इसमें नोडल अधिकारी डॉ. पंकज मिश्रा, डॉ. जितेंद्र कुमार. डॉ. मनोज सिंह और डॉ. सुरेंद्र सिंह को शामिल किया गया है। इस टीम की जांच रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। यह टीम पोस्टमार्टम हाउस में लगे सीटीटीवी कैमरे की फुटेज भी जांचेगी।

बैग में बच्चा छिपाकर ले जा रही महिला पकड़ी गई

कोलकाता,26 जून 2024 (ए)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बिराती रेलवे स्टेशन पर अपने बैग में बच्चा छिपाकर ले जा रही एक महिला को पकड़ा गया है, जिसके बाद स्टेशन पर तनाव की स्थिति पैदा हो गई। इस मामले में इलाके के लोगों और यात्रियों ने महिला पर बच्चे के अपहरण का आरोप लगाया। यात्रियों ने बताया कि उन्होंने उत्तर 24 परगना के बनगांव डिवीजन के दत्तपुकुर से सियालदह जा रही लोकल ट्रेन में महिला के बैग में बच्चे को छिपा हुआ देखा।

ट्रेन के बिराती स्टेशन पहुंचने पर यात्रियों ने महिला को पकड़ लिया और उसे बच्चे के साथ रेलवे पुलिस के हवाले कर दिया। यात्रियों ने पुलिस और मीडिया को बताया कि महिला की बॉडी लैंग्वेज संदिग्ध लग रही थी, जिससे उनका शक और भी बढ़ गया। वहीं महिला ने डिब्बे में यात्रा कर रहे यात्रियों के सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया और भागने की कोशिश की। एक यात्री ने बताया, ÷जैसे ही ट्रेन बिराती स्टेशन पहुंची, उसने बच्चे को छोड़कर भागने की कोशिश की। लेकिन हमने उसे काबू में कर लिया और रेलवे पुलिस के हवाले कर दिया।

हवस में अंधी समलैंगिक बहन ने मां और भाई की कर दी हत्या

» मौसी ने खोली पोल,आधी रात भाभी से करती थी इश्कबाजी

नई दिल्ली,26 जून 2024(ए)। जिस मां ने उसे जन्म दिया, उसने उसी को गला घोंटकर मार डाला। जिस भाई के हाथ पर उसने राखी बांधी, उसने उसी भाई का बेदर्दी से खून बहा दिया। उसके हाथ अपनी उस मां की जान लेते हुए भी नहीं कांपे, जिसके साथ रील्स बनाकर वो अपने यार-दोस्तों के साथ शेयर करती थी। हरियाणा के यमुना नगर डबल मर्डर केस की सच्चाई बेहद खौफनाक है। लोगों को यकीन नहीं हो रहा कि घर की इकलौती बेटी इतनी बड़ी साजिश कैसे रच सकती है। वारदात को 72 घंटे बीत चुके हैं और अपनी मां के साथ-साथ सगे भाई की हत्या करने वाली काजल को लेकर अब उसकी मौसी ने हैरान कर देने वाले खुलासे किए हैं।

पुलिस पूछताछ में हत्या वाले दिन यानी 23 जून को ही इस बात का खुलासा हो गया था कि 27 वर्षीय काजल एक समलैंगिक लड़की है और उसे बचपन से ही लड़कों की तरह रहने का शौक था। काजल के भाई राहुल की दो शादी हुई थी। मंगलवार को काजल की मौसी ने बताया कि राहुल की पहली शादी काजल ने ही अपनी एक सहेली से कराई थी। शादी के बाद काजल अपने सहेली को रात में अपने कमरे में बुला लेती थी। इस बात का पता जब राहुल को चला तो घर में काफी विवाद हुआ।

राहुल की दूसरी पत्नी भी घर छोड़ गई

बाद में राहुल और उसकी पत्नी दोनों अलग हो गए। हालांकि, लोगों को बताया गया कि राहुल की पत्नी को बच्चे ना होने की वजह से दोनों अलग हुए हैं। कुछ वक्त बीतने के बाद राहुल ने एक दूसरी लड़की से शादी कर ली। घर में नई बहू आई तो उसके साथ काजल का विवाद रहने लगा। इस वजह से वो भी कुछ समय बाद अपने मायके चली गई। इन सब बातों को लेकर अक्सर काजल का झगड़ा अपनी मां और भाई से होता था। हालांकि किसी को इस बात का अंदाजा नहीं था कि अपने दिल में नफरत पाले बैठी काजल इतना बड़ा और खतरनाक कदम उठा सकती है।

हत्या के बाद ब्यूटी पार्लर गई काजल

काजल के अंदर अपनी मां और भाई की जान लेने का कोई पछतावा नहीं था। मामले में खुलासा हुआ है कि इस हत्याकांड को अंजाम देने के बाद घर में रखे करीब 14 लाख रुपए के गहने उसने अपनी स्कूटी की डिग्गी में रखे और बाहर निकल गई। पहले काजल मोहल्ले के बाहर ही इधर उधर घूमती रही और इसके बाद ब्यूटी पार्लर गई। यहां उसने अपने बाल स्ट्रेट कराए। जब उसे तसल्ली हो गई कि घर पर पुलिस पहुंच गई होगी और सब इस वारदात को लूट समझ रहे होंगे तो वो वापस लौटी। यहां पहुंचकर उसने पुलिस को बताया कि वो जूस लेने के लिए बाहर गई थी।

डोडा एनकाउंटर में एक और आतंकी ढेर

डोडा,26 जून 2024(ए)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के गंडोह इलाके में बुधवार (26 जून) को सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। सुबह 2-3 आतंकियों के इलाके में छिपे होने की सूचना के बाद पुलिस और सेना ने सर्च ऑपरेशन लॉन्च किया था, जिसके बाद सुबह 9.50 बजे एनकाउंटर शुरू हुआ। इस एनकाउंटर में जम्मू-कश्मीर पुलिस में तैनात स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप का जवान भी घायल हुआ है। आशिक हुसैन नाम के इस जवान को डोडा के सरकारी मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां डॉक्टरों ने बताया है कि उनके दाहिने पैर में गोली लगी है। अधिकारियों ने बताया कि 11 और 12 जून को डोडा में दोहरा आतंकवादी हमला हुआ था। इसके बाद से सेना,सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। आज सुबह 2-3 आतंकियों के सिनू पंचायत के गांव में छिपे होने की सूचना मिली थी। इसी दौरान ढोक (मिट्टी से बना घर) से आतंकियों ने टीम पर गोलीबारी की। इलाके में अब भी सर्च ऑपरेशज जारी है। पूरे इलाके पर ड्रोन और हेलीकॉप्टर के जरिए नजर रखी जा रही है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि राजौरी जिले के चिंगस इलाके के पिंड गांव से मंगलवार शाम चीनी ग्रेनेड बरामद किया गया था।

संपादकीय

आरक्षण रद्द बिहार सरकार को तगड़ा झटका

पटना हाई कोर्ट ने 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत किए गए राज्य सरकार के आरक्षण को रद्द कर दिया है। यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई वाली बिहार सरकार को तगड़ा झटका माना जा रहा है।यह दलितों, पिछड़े वर्गों व आदिवासियों को सरकारी नौकरियों व शिक्षण संस्थानों में दिया जा रहा था। बिहार की तत्कालीन महागठबंधन सरकार द्वारा बीते साल नवम्बर में जाति गणना के आधार पर इन वर्गों के लिए आरक्षण सीमा बढ़ाने का कानून बनाया गया था।अदालत ने विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई के बाद इस बढ़ी आरक्षण सीमा को संविधान के अनुच्छेद 14, 16 व 20 का उल्लंघन बताया। जैसा कि शीर्ष अदालत पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि कोई भी राज्य सरकार 50 प्रतिशत की तय सीमा से अधिक कोटा नहीं लागू कर सकती है, जबकि बिहार में आर्थिक रूप से पिछड़ों के लिए 10 फीसद मिलाकर यह आरक्षण 75 प्रतिशत पहुंच गया था।अदालत का मानना है कि बिहार में कुल जनसंख्या के केवल 1.57 प्रतिशत लोग ही सरकारी नौकरियों में हैं। जनसंख्या के अनुपात में सरकारी नौकरियों में पिछड़े वर्ग का प्रतिनिधित्व भी पर्याप्त बताया जा रहा है।हालांकि राज्य सरकार इस आदेश के खिलाफ सबसे बड़ी अदालत का दरवाजा खटखटाने की तैयारी में है। दरअसल, जैसा नजर आता है कि आरक्षण अब राजनीतिक पार्टियों के लिए जनता को फुसलाने का साधन मात्र रह गया है। उनका ध्येय समाज में व्याप्त गैर-बराबरी को मिटाना नहीं रहा।वे मतदाताओं को बड़ी तादाद में प्रभावित करने के उद्देश्य से व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करते नजर आते हैं। तमाम अगड़ी जातियां मानती हैं कि आरक्षण के चलते नौकरियों क लाले पड़ रहे हैं। वे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के प्रभावित होने का रोना भी रोती रहती हैं, परंतु यह भी गलत नहीं है कि हमारी सामाजिक व्यवस्था में विभिन्न जातियों/समुदायों को जबरदस्त अन्याय सहना पड़ा है।उनके लिए कोटा तय कर, उन्हें सामाजिक, शैक्षणिक व आर्थिक तौर पर बराबरी पर लाने के प्रयासों पर अड़चनें लाने उचित नहीं है। यूं तो अन्य राज्यों में भी सत्ताधारी दल लाभ के लोभ में कोटा बढ़ाते रहने को उतावले हो सकते हैं।इसलिए बिना देरी किए, इस पर लगाम लगाना लाजमी है। कमजोर वर्ग की सहूलियत के लिए, उन्हें सहायता देने व जीवन स्तर बेहतर बनाने के अन्य तरीकों पर भी विचार किए जाने की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जाना चाहिए।

वायु प्रदूषण से होती लाखों मौतों के लिये कौन जिम्मेदार ?

» जानलेवा वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है...चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं...जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है...

कहते हैं जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। देश की हवा में घुलते प्रदूषण का 'जहर' अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। जीवन-शैली ऐसी बन गयी है कि आदमी जीने के लिये सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया, इस गंभीर होती स्थिति को यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट ने बयां किया है, इस रिपोर्ट के आंकड़े परेशान एवं शर्मसार करने के साथ चिन्ता में डालने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। ज्यादा दुख की बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित, चिन्तीत व परेशान करने वाले हैं। वहीं सरकार के नीति-नियंताओं के लिये यह शर्म का विषय होना चाहिए, लेकिन उन्हें शर्म आती ही कहा है? तनिक भी शर्म आती तो सरकारें एवं उनके कर्ता-धर्ता इस दिशा में गंभीर प्रयास करते। सरकार की नाकामियां ही हैं कि जिन्दगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी होकर उसे कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है।

जानलेवा वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही एवं लापरवाही को ही दर्शाता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से वह प्रदूषण फैला रहा है और किस तरह वे इस जानलेवा प्रदूषण को नियंत्रित करने में सहयोगी हो सकते हैं। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा है? क्यों भयभीत नहीं है? देश की जनता दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, प्रदूषण जैसी समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्यों की सरकारें इस विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप करती है, जानबूझकर प्रदूषण फैलाती है ताकि एक-दूसरे की छीछालेदर कर सके। प्रदूषण के नाम पर भी कोरी राजनीति का होना दुर्भाग्यपूर्ण है। दिल्ली सहित उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण का बेहद खतरनाक स्थिति में बना रहना चिन्ता में डालता है। हालत ये बनते हैं कि कभी-कभी सांस लेना मुश्किल हो जाता है और लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर होना पड़ता है। दिल्ली,नोएडा,गाजियाबाद,फरीदाबाद, गुरुग्राम में प्रदूषण का बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों से आने वाला पराली का धुआं होता है। पराली के बाद पटाखों का धुआं भी बड़ी समस्या है, इसके अलावा सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना,उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने एवं बढ़ता धूम्रपान जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा अदालतों की अवमानना का मामला है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच हर व्यक्ति, शासन-प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के अपने दायित्वों से दूर होता जा रहा है। यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से 1 लाख 69 हजार बच्चे जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है, मौत के शिकार होते हैं। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका समुचित शारीरिक विकास सही ढ़ंग से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां से पीड़ित होना हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान,बांग्लादेश,इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। दिल्ली सहित देश के कई महानगरों में प्रदूषण जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गयी है। हर कुछ समय बाद अलग-अलग वजहों से हवा की गुणवत्ता का स्तर 'बेहद खराब' की श्रेणी में दर्ज किया जाता है और सरकार की ओर से इस स्थिति में सुधार के लिए कई तरह के उपाय करने की घोषणा की जाती है। हो सकता है कि ऐसा होता भी हो, लेकिन सच यह है कि फिर कुछ समय बाद प्रदूषण का स्तर गहराने के साथ यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर इसकी असली जड़ क्या है और क्या सरकार की कोशिशें सही दिशा में हो पा रही है? इस विकट समस्या से मुक्ति के लिये ठोस कदम उठाने होंगे। सिर्फ दिल्ली ही नहीं, देश के कई शहर वायु प्रदूषण की गंभीर मार झेलते हैं। इसका पता तब ज्यादा चलता है जब वैश्विक पर्यावरण संस्थान अपने वायु प्रदूषण सूचकांक में शहरों की स्थिति को बताते हैं। पिछले कई सालों से दुनिया के पहले बीस प्रदूषित शहरों में भारत के कई शहर दर्ज होते रहे हैं। जाहिर है, हम वायु प्रदूषण के दिनोंदिन गहराते संकट से निपट पाने में तो कामयाब हो नहीं पा रहे, बल्कि जानते-बूझते ऐसे काम करने में जरा नहीं हिचकिचा रहे जो हवा को जहरीला बना रहे हैं।

चिंता की बात यह है कि दक्षिण एशिया में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है। दरअसल, गरीबी और आर्थिक असमानता के चलते बड़ी आबादी येन-केन- प्रकारेण जीविका उपार्जन में लगी रहती है, उसकी प्राथमिकता प्रदूषण से बचाव के बजाय रोटी ही है। वहीं ढुलमुल कानूनों, तंत्र की काहिली तथा जागरूकता के अभाव में वायु प्रदूषण रोकने की गंभीर पहल नहीं हो पाती। मुश्किल यह है कि वायुमंडल के घनीभूत होने की वजह से जमीन से उठने वाली धूल, पराली की धुंध और वाहनों से निकलने वाले धुएं के छंटने की गुंजाइश नहीं बन पाती है। नतीजन, वायु में सूक्ष्म जहरीले तत्व घुलने लगते हैं और प्रदूषण के गहराने की दृष्टि से इसे खतरनाक माना जाता है। हमारा राष्ट्र एवं दिल्ली सहित अन्य राज्यों की सरकारें नैतिक, आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक एवं व्यक्तिगत सभी क्षेत्रों में मनोबल के दिवालिएपन के कगार पर खड़ी है। और हमारा नेतृत्व गौरवशाली परम्परा, विकास और हर प्रदूषण खतरों से मुकाबला करने के लिए तैयार है, का नारा देकर अपनी नेकनीयत का बखान करते रहते हैं। पर उनकी नेकनीयती की वास्तविकता किसी से भी छिपी नहीं है, देश में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों के हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट के आंकड़े इस वास्तविकता को उजागर करते हुए प्रदूषण की समस्या का कोई दीर्घकालिक और ठोस हल निकालने के लिये चेता रहे हैं।

-ललित गर्ग-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मानवता की भलाई हेतु मानवाधिकार जरुरी है

संजय गोस्वामी
मुंबई, महाराष्ट्र

आज जिस तरह युद्ध,धरना प्रदर्शनी, भूख हड़ताल,आतंकवादी हमले यादि से मानवता मर रही है अतः आज प्रत्येक मनुष्य के अपने परिवार, कार्य, सरकार और समाज पर कुछ अधिकार होते हैं,जो आपसी समझ और नियमों द्वारा निर्धारित होते हैं। इसी के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 10 दिसंबर 1948 को सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणापत्र को आधिकारिक मान्यता दी गई, जिसमें भारतीय संविधान द्वारा प्रत्येक मनुष्य को कुछ विशेष अधिकार दिए गए हैं। मानव अधिकारों से अभिप्राय मौलिक अधिकारों एवं स्वतंत्रता से है जिसके सभी मानव प्राणी हकदार है। ह्यूमन राइट्स यानिमानवाधिकार में मानव अधिकारों एवं स्वतंत्रताओं के रूप में गणना की जाती है, उनमें नागरिक और राजनीतिक अधिकारों, नागरिक और राजनैतिक अधिकार सम्मिलित हैं जैसे कि जीवन और आजाद रहने का अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के सामने समानता एवं आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों के साथ ही साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का अधिकार, भोजन का अधिकार काम करने का अधिकार एवं शिक्षा का अधिकार . सामान्य जीवन यापन के लिए प्रत्येक मनुष्य के अपने परिवार, कार्य, सरकार और समाज पर कुछ अधिकार होते हैं, जो आपसी समझ और नियमों द्वारा निर्धारित होते हैं। इसी के अंतर्गत मानवाधिकार एक चिर-परिचित क्षेत्र है। परन्तु, यह जानना व समझना सचमुच महत्वपूर्ण है कि मानव अधिकारों की पकड़ व समझ आपको बेहतर भविष्य के साथ-साथ मानवता के कल्याण का सहभागी भी बना सकती है। मानवाधिकार राष्ट्रीयता, निवास-स्थान, लिंग, राष्ट्रीय या नैतिक स्रोत, रंग, धर्म, भाषा या किसी अन्य स्थिति से परे सभी व्यक्तियों में निहित अधिकार हैं। हम सभी, बिना किसी भेदभाव के अपने मानवाधिकार के समान रूप से हकदार हैं। भोपाल गैस त्रासदी(1984) के बाद मानवाधिकार के महत्व को आम व्यक्तिय महसूस कर रहा है । भारतीय संविधान में विभिन्न मानव अधिकारों को संरक्षण प्रदान किया गया है, जैसे सभी मानव को समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14) जन्म, वंश, जाति, लिंग, धर्म के आधार पर भेद भाव का निषेध (अनुच्छेद 15); लोक नियोजन में सभी नागरिकों को अवसर की समानता (अनुच्छेद 16); मूलभूत नागरिकों के अधिकार जैसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्वक निरायुध समागम या संघ, संगठन बनाने का अधिकार, भारत के राज्यक्षेत्र में सर्वत्र अबाध संचरण और निवास का अधिकार, कोई वृत्ति, उपजीविका व्यापार या कारोबार करने का अधिकार (अनुच्छेद 19); जीवन तथा प्राण या दैहिक स्वतंत्रता के सरक्षण का प्रत्येक व्यक्ति को अधिकार और शासन को उससे वैध विधि माध्यम का अवलंबन किये बिना वंचित करने का निषेध (अनुच्छेद 21) ।उपर्युक्त मूलभूत अधिकारों को विशुद्ध रूप से परिभाषित कर उनके संरक्षण हेतु सकारात्मक पहल करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्य और हस्ताक्षरित दो प्रमुख अनुबंध पत्र जारी किये, जिन्हें मानव के नागरिक और राजनीतिक मानव अधिकार (1976) एवं मानव के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक मानव अधिकार (1976) शीर्षक दिया गया । संयुक्त राष्ट्र की मानव अधिकार घोषणाओं के आधार पर और उसके अन्तर्गत आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अनुबंधों में उल्लेखित मानव के अधिकारों को समाहित करने के लिए संविधान के खंड-4 के अंतर्गत अनुच्छेद 36 से 51 नीति निर्देशक तत्व या सिद्धांत समाहित किये गये । कालांतर में यह आवश्यक प्रतीत हुआ कि मानव अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर प्रत्येक नागरिक से मानव कर्तव्यों के अनुपालन की अपेक्षा करना आवश्यक है मानव अधिकार-अंतरराष्ट्रीय मानदंड ऐसे अधिकार विधि के समक्ष जीवन, समानता के अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार, आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक अधिकार, कार्य करने, सामाजिक सुरक्षा तथा शिक्षा के अधिकार और इसी तरह विकास एवं स्व-निर्धारण के अधिकार अहरणीय, परस्पर एक दूसरे पर निर्भर और परस्पर जुड़े हुए हैं। एक अधिकार में सुधार लाने से अन्य अधिकारों के विकास में सहयता मिलती है। इसी तरह एक अधिकार के हरण से अन्य अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है । निष्पक्षता अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार विधि में एक मजबूत सिद्धांत है। संयुक्त राष्ट्र प्रणाली और मानवाधिकार 10 दिसंबर सन् 1948 को संयुक्त राष्ट्रसंघ की महासभा द्वारा अस्तित्व में लाये गये मानवाधिकार ने अब तक 67 वर्ष की यात्रा पूरी कर ली है। इन अधिकारों के जन्म लेने के साथ ही इसमें शामिल सदस्यों का यह कर्तव्य बन गया है कि स्थापित सरकारी ,गैर-सरकारी संगठनों द्वारा मानवाधिकारों का संरक्षण और उनकी देखभाल करें। सूखा, बाढ़, गरीबी, अकाल, सुनामी, भूकंप, युद्ध या दुर्घटनाओं के चलते जो लोग शिकार हो रहे है, पीड़ित या परेशान चल रहे है उनके मानवाधिकारों का ध्यान रखा जाना बहूत ज़रूरी है । यूडीएचआर और मानवाधिकार संधि प्रवर्तन तंत्र भारत में मानव अधिकार और कर्तव्य रक्षा अधिकार-जो व्यक्तियों की, हत्या, जनसंहार, उत्पीड़न तथा बलात्कार जैसे अपराधों से रक्षा करते हैं। स्वतंत्रता अधिकार - जो विश्वास एवं धर्म, संगठनों, जन-समुदायों तथा आंदोलन जैसे क्षेत्रों में स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं। राजनीतिक अधिकार - जो स्वयं को अभिव्यक्ति, विरोध, वोट देकर तथा सार्वजनिक कार्यालयों में सेवा द्वारा राजनीति में भाग लेने की स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं । उपयुक्त कार्यवाही अधिकार-जो मुकदमे के बिना कैद करने, गुप्त मुकदमे चलाने तथा अधिक सजा देने जैसी विधिक प्रणाली के दुरूपयोग से रक्षा करते हैं ।समानता अधिकार-जो समान नागरिकता, विधि के समक्ष समानता एवं पक्षपात रहित होने का आश्वासन देते हैं। कल्याण अधिकार (ये आर्थिक तथा सामाजिक अधिकारों के रूप में जाने जाते हैं)। जिनमें शिक्षा का तथा अत्यंत निर्धनता और भुखमरी से रक्षा का प्रावधान है । ज सामूहिक अधिकार-जो विजाति-संहार के विरुद्ध के लिए मानवाधिकार समूहों को रक्षा प्रदान करते हैं । (1) मानवाधिकार परिषद, मानवाधिकार के लिए उच्चायुक्त द्वारा उनके राष्ट्रीय क्षेत्रों तथा संसाधनों के स्वामित्व का अध्ययन भारतीय संविधान के तहत मानव अधिकारों व्यक्तियों के मौलिक कर्तव्य कानून के तहत मानव पर दवाओं का परीक्षण नई दवाओं को बाजार में लांच करने से पहले उन्हें जानवरों और इनसानों पर टेस्ट किया जाता है। मोटे तौर पर किसी दवा को लैब से केमिस्ट की शॉप तक पहुंचने में 5-10 साल का वक्त लग जाता है। जानवरों पर प्री-क्लीनिकल टेस्ट करने के बाद इन दवाओं को इनसानों पर टेस्ट किया जाता है, जिसके तीन फेज होते हैं। टेस्टिंग के लिए इन तीनों फेजों में पहले के मुकाबले ज्यादा संख्या में लोगों को शामिल किया जाता है। इन तीनों फेजों का टेस्ट मानवाधिकार विशेषज्ञ के अनुमोदन के बाद कंपनी सभी नतीजों को एफडीए या टीपीडी को सौंप देती है, जिसके आधार पर न्यू ड्रग अप्रूवल मिलता है। मेडिकल क्षेत्रों में मानवाधिकार विशेषज्ञ सुरक्षित दवाओं का परीक्षण के पर आधार मानव-स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं। इसलिए यानि मानवाधिकार में मानवता का अधिकार परस्पर संबंधी, एक-दूसरे पर आश्रित होते हैं।

गर्मी के बढ़ते प्रकोप अधिकांश देश त्रस्त

जलवायु बदलाव के इस दौर में बढ़ती गर्मी के प्रकोप से दुनिया के अधिकांश देश त्रस्त हैं, पर अधिक विकट स्थिति गरीब देशों की है। इसी तरह यदि आंतरिक स्तर पर देखें तो विभिन्न देशों, शहरों और गांवों में गर्मी का सबसे अधिक प्रकोप सबसे निर्धन लोगों को झेलना पड़ता है।बढ़ती गर्मी के द्योतक के रूप में प्राय- तापमान के आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं और ये हमें काफी निश्चित तौर पर बताते हैं कि बहुत से स्थानों पर हाल के वर्षों और दशकों में गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है। तिस पर जहां हरियाली कम हुई है, सीमेंट-कंक्रीट का जाल बढ़ा है, वहां बढ़ती गर्मी का असर और भी घातक रूप में नजर आ रहा है। इस बारे में अनेक अध्ययन भी उपलब्ध हैं।दूसरी ओर, गर्मी के बढ़ते प्रकोप का एक ऐसा पक्ष भी है जो अति महत्तपूर्ण होते हुए भी अपेक्षाकृत उपेक्षित है।यह है आर्थिक-सामाजिक विषमता का पक्ष। जिस समाज, नगर या गांव में अधिक विषमता और अधिक असमानता होगी, वहां ऐसे साधनहीन परिवारों का प्रतिशत भी अधिक होगा जो जलवायु बदलाव के दौर में बढ़ती गर्मी के प्रकोप और अन्य तरह के प्रतिकूल मौसम के दुष्परिणामों को सहने में कम सक्षम हैं। जहां गर्मी के बढ़ते प्रकोप और लू के थपेड़ों के बीच साधन-संपन्न व्यक्ति अपने बचाव और आराम के विभिन्न उपाय करने में समर्थ है, वहां निर्धन परिवारों के लिए यह संभव नहीं है और अनेक दिहाड़ी मजदूर परिवार के लिए रोटी और बुनियादी जरूरतों की व्यवस्था के लिए घोर गर्मी में भी मजदूरी ढूंढने के लिए मजबूर हैं। यह स्थिति गांवों और शहरों, दोनों जगह देखी जा सकती है। पुरुष ही नहीं, अनेक स्थानों पर तो महिला मजदूर भी गर्मी का बहुत प्रकोप झेल रही हैं।जहां किसानों और स्व-रोजगार वालों के लिए कम से कम यह संभव है कि वे अपने काम के घंटों को गर्मी से बचाव की दृष्टि से बदल लें, पर अनेक मजदूरों के लिए यह निर्णय भी अपने स्तर पर लेना संभव नहीं है। अत- यह बहुत जरूरी है कि विशेषकर खुले क्षेत्र में और अधिक गर्मी की स्थिति में कार्य करने वाले मजदूरों की रक्षा के लिए विशेष कदम सरकार उठाए। देश में गर्मी के अधिक प्रकोप के रूप में चर्चित क्षेत्रों में बुंदेलखंड का नाम विशेष तौर पर लिया जाता है। यहां तापमान बहुत ज्यादा रहा है और कई दिनों तक लगातार 42 सेंटीग्रेड से 49 सेंटीग्रेड के बीच रहा। इसके अतिरिक्त, नदियों और अन्य जल-स्रोतों के सिकुड़ने या लुप्त होने, अंधाधुंध बालू और पत्थर के खनन, वृक्षों की कटाई, सिमटते वनों के कारण भी इस क्षेत्र में गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। घर-घर में नल तो लग गए हैं पर इसके बावजूद जल-संकट तो बना हुआ है।इस क्षेत्र में गर्मी के विकट प्रकोप के दिनों में जब हाल ही में यह लेखक दूर-दूर के गांवों में गया तो यही सच्चाई बार-बार उभर कर सामने आई कि जहां सामाजिक विषमता और अन्याय है, दबंगी और सामंतशाही का असर अधिक है, वहां एक ओर तो सामान्य समय में ही निर्धन और जनसाधारण अधिक समस्याओं से त्रस्त होते हैं और गर्मी के बढ़ते प्रकोप और प्रतिकूल मौसम के दौर में उनकी समस्याएं और भी बढ़ जाती हैं।

जब सुबह 9-10 से ही गर्मी बहुत बढने लगती थी तो खुले में निर्माण कार्य या कृषि कार्य दिन-भर करने की हिम्मत कोई कैसे जुटा सकता है? तिस पर यदि दोपहर में छाया में विश्राम और ठंडे पानी की सुविधा भी सही ढंग से उपलब्ध न हो तो स्थिति और भी विकट हो जाती है। फिर भी मजबूरी में, पेट भरने के लिए बहुत विकट स्थितियों में भी मजदूरी जारी रहती है। प्राय- शहरों के दिहाड़ी मजदूरों को नाकों या चौकों पर बहुत समय तक गर्मी में मजदूरी का इंतजार करना पड़ता है, तभी उनको दिहाड़ी के कार्य पर लिया जाता है।अनेक मजदूर आसपास के गांवों से भी शहरों में दिहाड़ी की मजदूरी के लिए जाते हैं, फिर चाहे गर्मी का प्रकोप कितना भी अधिक हो। ऐसा ही एक मात्र 18 वर्ष का बहुत सीधा-सादा दलित भूमिहीन युवक रत्नेश जब जून के प्रथम सप्ताह में अपने गांव से बांदा नगर की ओर मजदूरी के लिए जा रहा था, तो उसे गांव के दबंगों ने इस आधार पर रोका-टोका और गाली-गलौज की कि उसे उनके यहां मजदूरी करने के लिए मजबूरन जाना पड़ेगा। जब रत्नेश ने कहा कि वह उनके यहां नहीं जा सकता है तो पत्थरों से हमला कर उसे बेहद निर्दयता से मार दिया गया। इस तरह की बेहद दर्दनाक घटनाओं से पता चलता है कि आज भी सबसे निर्धन परिवारों पर सामंतशाही कितना जोर-जुल्म करती है। गर्मी का प्रकोप बढ़ जाने पर जब मजदूर मिलने में कठिनाई होने लगती है जो मजदूर प्राप्त करने के लिए इस तरह की जोर-जबरदस्ती और दबाव भी बढ़ सकते हैं।

-भारत डोगरा-

चौमासा

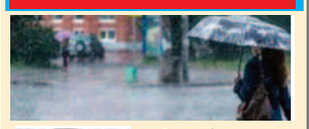

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

कोनो ठिकाना हे नहीं,
मौसम बिगाड़े काम ला।
उत्ती करै बादर कभू,
बुड़ती करै झट घाम ला।।
सुक्खा दिखत सब खेत हा,
दनगार भुइयाँ मा परे।
आगी बरै चारोंमुड़ा,
कीरा मकोरा कस मरे।।
मनखे तभो चैतै नहीं,
आरी धरे हें हाथ मा।
मारे कुदारी गोड़ अउ,
विनती करत हे साथ मा।।
गड्ढा खुदे खोदत इहाँ,
खुद रेंग के बोजात हे।
करनी करै दूसर सखा,
संसार हा दुख पात हे।।
बरसा करा दे नाथ तैं,
भींगय सबो जलधार मा ।
फर फूल अउ पाना घलो,
छा जाय तरु के डार मा।
छिटका पड़ै जब बूँद के,
ममहाय माटी खोर के।
पाँखी लमाही मोर हा, बादर
गरजही जोर के।।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

प्रभु श्रीकृष्ण

अमित पाठक
शाकद्वीपी
बोकारो,
झारखंड

कितना सुंदर रूप मनोहर मन को हरता जाता है,
जो देखें ये छवि निराली भव सागर तर जाता है।
मुख मंडल पर दिनकर सा यूं तेज बिखरता जाता है,
मानो सूरज इन किरणों से प्रभु का रूप सजाता है।
मृदुल मृदुल वंशी की धुन पर सारे जग को मोह लिया,
वंशी वाले ने जन-जन को जाने कितना स्नेह दिया।
बनकर ग्वाला गाय चराई, गोपो का उद्धार किया,
हाय द्वारिकाधीश वो सुंदर, ग्रामीण जीवन स्वीकार किया।
नेह लगाया राधिका से, प्रेम का यूं विस्तार दिया,
प्रेम के बंधन में ही बंध कर, मीरा को भी तार दिया।
जिनके नैनन शशि दिवाकर, ज्योत अखंड परिपूर्ण करें,
मानो दर्शन देकर प्रभु जी, सबका जीवन सम्पूर्ण करें।
जैसे नीलमणि सम सुन्दर, तन की शोभा महती है,
हृदय निरंतर राधा राधा, बस राधा राधा कहती है।
शब्द सीमित में उनका वर्णन कर पाना तो मुश्किल है,
यूं समझो के लेखनी मेरी प्रभु सेवा में शामिल है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

महुं जाहूं स्कूल

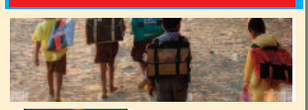

अशोक कुमार यादव
मुंगेली,
छत्तीसगढ़

सुन ना दाई ओ,सुन गा मोर ददा।
महूं जाहूं स्कूल, ले दव ना बस्ता।।
पेन, कापी हा, मोर संगी-साथी ए।
पुस्तक मनी हा, जिनगी के थाती ए।।
पढ़-लिख के चलहूं गियान के रद्दा।
महूं जाहूं स्कूल,ले दव ना बस्ता।।
गुरु जी हा सुनाही,बब्बर शेर के कहानी।
पढ़बो हमन कबिता,मछली जल के रानी।।
हिन्दी हवय मोर महतारी के भाखा।
महूं जाहूं स्कूल, ले दव ना बस्ता।।
जोड़-घटाव बर खुलही गणित के पिटारा।
गुणा-भाग बर गिनबो पहाड़ा गिनतारा
आकृति नापबो ता आहय खूब मजा।
महूं जाहूं स्कूल,ले दव ना बस्ता।।
जम्मों जिनिस के
नाव ला अंग्रेजी म बोलबो।
सतरंगी इंद्रधनुष के
निसैनी बनाके चढ़बो।।
सीखबो पोयम जॉनी-जॉनी यस पापा।
महूं जाहूं स्कूल, ले दव ना बस्ता।।
खेलबो खेलगढ़िया के हमन खेल।
कभू कबड्डी, खो-खो, कभू रेलमरेल।
नाचा अऊ गाना म मोरो होही चर्चा।
महूं जाहूं स्कूल, ले दव ना बस्ता।।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

दर्द की प्रदर्शनी

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक
हरियाणा

दुनिया में दर्द की प्रदर्शनी लगी है
आईए इस प्रदर्शनी को आप भी देखिए।
इस प्रदर्शनी में
अलग-अलग दर्द के लोग हैं
किसी को संतान पैदा न होने का दर्द है।
किसी को संतान से
दुख मिलने का दर्द है
किसी को पैसा ना मिलने का दर्द है।
किसी को बहुत पैसा संभालने का दर्द है
किसी को दुनिया में
अकेला होने का दर्द है।
किसी को भीड़ में
अकेलेपन का दर्द है
किसी को मां बाप न होने का दर्द है
किसी को मां बाप
की देखभाल का दर्द है।
किसी को दुनिया में कुंवारेपन का दर्द है
किसी को गृहस्थी ठीक
ना चलने का दर्द है।
किसी को भूखा रहने
से पेट में दर्द है
किसी को ज्यादा
खाने पीने से पेट दर्द है।
किसी को रोजगार
ना मिलने का दर्द है
किसी को काम से
फुर्सत ना मिलने का दर्द है।
किसी को कोई दर्द है,
किसी को कोई दर्द है
इस दुनिया में दर्दों
की नुमाइश लगी है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा .....अम्बिकापुर न्यायालय..... के अधीन होगा।

10 हजार रिश्वत लेते एएसआई व सहयोगी को एसीबी की टीम ने किया गिरफ्तार

आरोपी–सहायक उप निरीक्षक माधव सिंह

सहयोगी आरोपी–मोहमुददीन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 जून 2024 (घटती-घटना)।

एसीबी सरगुजा की टीम ने सूरजपुर जिले के रामानुजनगर थाने में पदस्थ एएसआई माधव सिंह व इसके सहयोगी को 10 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में हुए मारपीट के मामले में एएसआई ने एक पक्ष के खिलाफ धारा बढ़ाने को लेकर 30 हजार रुपए की मांग की थी। बाद में सौदा 10 हजार में तय हुआ था। पीड़ित द्वारा रिश्वत मांगने की शिकायत एसीबी से की थी। शिकायत के बाद बुधवार को एसबी सरगुजा की टीम ने कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार रामानुजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सुरता निवासी जनपद सदस्य शिवमंगल सिंह के भाई के साथ जमीन विवाद को लेकर कुछ दिन पूर्व ग्रामीणों ने टांगी से हमला कर दिया था। हमले में जनपद सदस्य के भाई को गंभीर चोट आई थी। पीड़ित द्वारा ममाले की रिपोर्ट रामानुजनगर थाना में दर्ज कराई गई थी। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सामान्य मारपीट व गालीगलौज की धाराएं लगाई थीं।

आरोपियों के खिलाफ सामान्य धारा लगाए जाने व कोई कार्रवाई नहीं होने पर जनपद सदस्य शिवमंगल सिंह ने थाना में संपर्क किया। थाने में पदस्थ एएसआई माधव सिंह ने आरोपियों के खिलाफ धारा 307 जोडऩे के लिए 30 हजार रुपए की मांग की थी। धारा बढ़ाने के लिए एएसआई द्वारा 30 हजार रुपए रिश्वत मांगने की शिकयत जनपद सदस्य ने एसीबी सरगुजा से की थी। मामले की तस्दीकी के लिए एसीबी की टीम ने जनपद सदस्य को फोन से एएसआई से बात करने के लिए बोला। मोबाइल से बात चीत के दौरान भी एएसआई ने धारा बढ़ाने के लिए 30 हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। फोन पर ही बात चीत के दौरान एएसआई ने 30 हजार की जगह 10 हजार रुपए लेकर ही धारा बढ़ाने के लिए मान गया था। मामले की पुष्टी होने पर एसीबी डीएसपी प्रमोद कुमार खेस ने बुधवार को टीम के साथ रामानुजनगर पहुंची। जनपद सदस्य शिवमंगल सिंह को केमिकल लगे 10 हजार रुपए रिश्वत देने के लिए दिए थे। जनपद सदस्य ने रुपए लेकर थाना पहुंचा। इस दौरान एएसआई ने रिश्वत स्वयं न लेकर अपने सहयोगी मोहमुद्दीन के हाथों ली। जैसे ही रिश्वत एएसआई माधव सिंह के हाथों में पहुंचा एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। धारा बढ़ाने के लिए 10 हजार रुपए रिश्वत लेने के मामले में एसीबी की टीम ने रामानुजनगर थाना में पदस्थ एएसआई माधव सिंह एवं सहयोगी मोहमुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया है। टीम ने दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7, 12 के तहत अपराध दर्ज किया है। कार्रवाई पूर्ण कर एसीबी टीम द्वारा आरोपियों को कोर्ट में पेश करेगी।

पिता की हत्या करने वाला आरोपी बेटा हुआ गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 जून 2024 (घटती-घटना)।

पिता द्वारा शराब के नशे में घर वालों के साथ मारपीट व गालीगलौज करने से परेशान पुत्र ने 24 जून को ईंट्ट व डंडे से बेदम पिटाई कर मौत के घाट उतार दिया था। मामले में मणिपुर पुलिस ने आरोपी बेटा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार इंदर लाल कुजूर मणिपुर थाना क्षेत्र के मठपारा का रहने वाला था। वह अक्सर शराब पीकर घार आता था और पत्नी व बच्चों के साथ गालीगलौज व मारपीट करता था। इससे घर वाले परेशान थे। 24 जून की रात को इंदर लाल शराब पीकर घर आया और घर वालों के साथ विवाद करने लगा। वहीं इसका बेटा सागर कुजूर घर में था। पिता द्वारा घर वालों के साथ बार-बार विवाद करने से तंग होकर गुस्से में पिता के सिर पर ईंट्ट से मार दिया। इससे उसके पिता जमीन पर गिर गया। इसके बावजूद भी बेटा का गुस्सा शांत नहीं हुआ और डंडे से बेदम पिटाई कर दी। सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगने के कारण पिता जमीन पर ही पड़ा रहा। इधर बेटा सागर पिता की पिटाई करने के बाद घर से बाहर चला गया। देर रात जब वापस आया तो उसके पिता जमीन पर घायल अवस्था में ही पड़ा था। उसे उठाकर इजाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में मणिपुर पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी बेटा सागर कुजूर (22) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त ईंट्ट, डंडा जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 302 के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मणीपुर निरीक्षक दुर्गेश्वरी चौबे,सहायक उप निरीक्षक नवल किशोर दुबे,स्पेशल टीम प्रभारी सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, प्रधान आरक्षक पन्नालाल, प्रधान आरक्षक सतीश सिंह, आरक्षक अतुल शर्मा, कुश सोनी, सत्येंद्र दुबे, संजीव चौबे, निर्मल सिंह नगर सैनिक अनिल साहू शामिल रहे।

80 हजार रुपए के प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 जून 2024 (घटती-घटना)।

80 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ कोतवाली पुलिस ने मंगलवार एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी बाइक इंजेक्यान बाइक में रखकर बेचने के लिए ग्रहक की तलाश कर रहा था। मुखबिर की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने गौरव पथ मौलवी बांध के पास संदेही युवक को हिरासत में लेकर बाइक में रखे थैले की तलाशी ली तो 80 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। जब्त नशीले इंजेक्शन का कीमत 80 हजार रुपए बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने आरोपी शुभम सिंह केराम उम्र (25) निवासी सुभाषनगर थाना गांधीनगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 21 (सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है। कार्रवाई में थाना कोतवाली से उप निरीक्षक आभाष मिंज, आरक्षक रिंकू गुप्ता, रमन मण्डल शामिल रहे।

दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत में दो की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 जून 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर-प्रतापपुर मार्ग पर स्थित खडगांवा के पास 25 जून की रात को आने सोने दो बाइकों की भिड़त हो गई। दुर्घटना में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार संजय कुमार पिता राजेश पनिका (30) चलगली थाना क्षेत्र का रहने वाला था। वह अंबिकापुर गांधीनगर में किराए के मकान में रहता था। 25 जून की रात को वह बाइक से प्रतापपुर जाने निकला था। रात करीब 12 बजे खडगांवा जंगल में सोने से आ रहे बाइक सवार अरविन्द से भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय पुलिस ने दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया। यहां इजाज के दौरान दोनों की मौज हो गई। अरविन्द यूपी प्रयाग राज का रहने वाला था। वह दो अलग-अलग बाइक में चार लोगों के साथ प्रयागराज से जगन्नाथ मंदिर जाने के लिए निकला था। 25 जून की देर रात खडगांव जंगल में बाइक सवार संजय कुमार के साथ भिड़ंत हो गई। वहीं दुर्घटना में दोनों बाइक के पीछे बैठे दो लोग घायल भी हुए हैं।

नकली सोने का चेन देकर दो युवक ले गए असली सोने का हार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 जून 2024 (घटती-घटना)।

दो युवकों ने नकली सोने का चेन देकर जगदंगा आभूषण भंडार से ले गए असली सोने का हार। घटना 20 जून की है। घटना के दो दिन बाद दुकान संचालक ने जालसाजों द्वारा दिए गए सोने की चेन की जांच की तो पता चला कि वह नकली है। जबकि चेन में हॉलमार्क भी लगा हुआ था। ठगी के शिकार होने पर जेवर दुकान संचालक ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। दोनों आरोपियों ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 419 व 34 के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार शहर के सदर रोड में जगदंबा आभूषण भंडार है। दुकान का संचालक राजा सोनी है। 20 जून को दो युवक दुकान में पहुंचे और दोनों ने 17.800 ग्राम का सोने का हार पसंद किया। हार की कीमत 1.46 लाख था। हार पसंद आने पर एक युवक ने अपने गले से चेन निकालकर उसे बदलने को कहा। चेन का वजन 22.400 ग्राम था। और हॉलमार्क भी लगा था। दुकान संचालक राजा सोनी ने चेन का कीमत 1.39 लाख रुपए बताया। दोनों युवकों ने चेन देकर हार ले गए और दो दिन बाद आकर रुपए देने के बाद चेन वापस ले जाने की बात कही थी। दोनों युवकों ने दो दिन बाद आकर हार के कीमत देकर सोने की चेन अपना वापस ले जाने की बात कही थी। दो दिन बाद जब दोनों युवक वापस नहीं आए तो दुकान संचालक द्वारा चेन की शुद्धता की जांच कराई। जांच में पता चला कि उक्त हॉलमार्क लगा सोने का चेन नकली है। राजा सोनी ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। दोनों आरोपी दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद भी हो गए हैं। पुलिस आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जगदंबा आभूषण भंडार में ठगी के दिन ही सदर रोड स्थित सीपी ज्वेलर्स में भी युवकों ने ठगी की कोशिश की थी, लेकिन सफल नहीं हुए।

सरगुजा जिला पंचायत में उठा करोड़ों के भ्रष्टाचार का मुद्दा

डीएमएफ का 46 लाख जागरूकता में फूंका...कागजों में बांटे 30 लाख के रेडियो-छाते...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिला पंचायत सदस्य सुनिल बखला ने डीएमएफ मद से मैनपाट में मांझी मझवार में जागरूकता कार्यक्रम एवं मांझी मझवार युवाओं को जागरूकता एवं खेल गतिविधियों के लिये खर्च किये गये 20 लाख एवं 26.50 लाख रूपये का मामला सहित लगभग डीएमएफ के तीस लाख से रेडियो और छाता बांटने का मामला उठाया ।

सरगुजा जिला पंचायत के सामान्य सभा की बैठक में आज खुब गहमागहमी रही। जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित जिला पंचायत के अन्य सदस्यों ने सरकार के कई योजना पर सवाल खड़े किये हैं और धरातल पर योजना के क्रियान्वयन को लेकर रोष व्यक्त करते हुए कई योजनाओं में जिला पंचायत सदस्यों की समिति बनाकर जांच की बात सामान्य सभा की बैठक में उठायी गई है। स्कूल जतन योजना, जल जीवन मिशन, डीएमएफ, जनपद पंचायत विकास निधि, 15 वें वित्त,आंतरिक विद्युतीकरण सहित कई मुद्दों पर अधिकारियों को आज जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक में जिला पंचायत सदस्यों ने घेर लिया जिसका जवाब अधिकारियों के पास नहीं था।

अधिकारियों के जवाब से सदस्यगण काफी दिखे नाराज़

स्कल जतन योजन के तहत अतिरिक्त कक्ष बनाने के नाम पर स्कूलों की तोड़ी गई बिल्डिंग के स्थान पर नये भवन नहीं बनाये गये तथा करोड़ों रूपये टेंडर की प्रक्रिया एवं अन्य कार्य नहीं होने से वापस

चले जाने पर हाउंसिंग बोर्ड, आरईएस एवं शिक्षा विभाग की कार्य प्रणाली पर जिला पंचायत के सदस्यों ने रोष जाहिर करते हुए कहा है कि 191 कार्य अप्रारंभ है, इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिये और कार्यवाही भी हो. साथ ही जिला पंचायत सामान्य सभा से राज्य सरकार को पत्र भी प्रेषित करने का निर्णय लिया गया है जिससे की वापस गये रकम को जिला को उपलब्ध कराया जाये, ताकी विद्यालयों में भवन की उपलब्धता हो सके।

डीएमएफ का 46 लाख जागरूकता में फूंका

जिला पंचायत सदस्य सुनिल बखला ने डीएमएफ मद से मैनपाट में मांझी मझवार में जागरूकता कार्यक्रम एवं मांझी मझवार युवाओं को जागरूकता एवं खेल गतिविधियों के लिये खर्च किये गये 20 लाख एवं 26.50 लाख रूपये का मामला सहित लगभग डीएमएफ के तीस लाख से रेडियो और छाता बांटने के मामले को उठाते हुए कहा कि विभाग समस्त हितग्राहियों की जानकारी उपलब्ध करायें ताकि जिला पंचायत सदस्यों कि एक समिति बनाकर हम जाकर मैनपाट में यह देखें कि जागरूकता के नाम पर खर्च किये लगभग 50 लाख से क्या बदलाव आया है साथ ही छाता व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण किसे-किसे दिया गया। जिला पंचायत सदस्य राकेश गुप्ता ने जिला में चल रहे आंतरिक विद्युतीकरण की योजना में हो रही धांधली पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करते हुए कहा कि यह विद्युत विभाग से संबंधित कार्य है, जिसमें विद्युत विभाग की तकनिकी स्वीकृति एवं सहमती पर ही कार्य किया जाना चाहिये, क्यों कि बाद में यह विद्युत विभाग को ही हैण्डओवर होना है। ऐसे में विद्युत विभाग के जानकारी एवं स्वीकृति के बिना कराये जा रहे कार्यों से कभी भी कोई गंभीर हादसा अथवा कोई ऐसी परिस्थिति बनी तो इसकी जवाबदेही कार्य करने वाले पर तय की जाये। जिला पंचायत के सामान्य सभा द्वारा सभी 7 जनपद पंचायतों के सीईओ को निर्देशित किया गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि विद्युत विभाग के तकनिकी स्वीकृति एवं सहमति पर ही कार्य हो।

पीएचई के कार्यप्रणाली से जिला पंचायत सदस्यों में नाराज़गी

जिला पंचायत सदस्य राकेश गुप्ता ने पीएचई के रेट्रो फिटिंग, एकल जल योजना एवं सामूहिक योजना के कार्यों पर प्रश्न उठाते हुए कहा कि पीएचई के अधिकारी बताते हैं कि कई गांवों में घर-घर पानी आ रहा है, लेकिन हमारे सभी जिला पंचायत सदस्य इससे इंकार कर रहे हैं, सबका कहना है कि एक गांव भी ऐसा नहीं है जहां पानी पहुंचा है। ऐसे में यह करोड़ों रूपये की योजना सफेद हाथी साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि अभी 1500 करोड़ से अधिक के कार्य जिले में चल रहे हैं, किसी भी कार्य की जानकारी के लिये जब पीएचई के ईई से संपर्क किया जाता है तो वे जिला पंचायत सदस्यों का फोन तक रिसीव नहीं करते और बैठक में उनके जो प्रतिनिधि आये हैं वे गोल-गोल जवाब देकर भ्रमित कर रहे हैं। आगामी बैठक में सही जानकारी लेकर आवे और ऐसे गांवों में जिला पंचायत सदस्यों को ले चलें जहां निरंतर घर पर पानी पहुंच रहा है।

अम्बिकापुर जनपद पंचायत के कार्य की जनप्रतिनिधियों को ही नहीं जानकारी

जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह एवं जिला पंचायत सदस्य राकेश गुप्ता ने जनपद विकास योजना एवं 15वें वित्त योजना के रूपये के बंदरबाट पर नाराज़गी जाहिर करते हुए कहा है कि जितनी राशि खर्च की गई। उसका स्थल निरिक्षण हम सब करेंगे साथ ही कार्यों का पूर्ण भुगतान हुआ है मतलब साफ है कि यूसी-सीसी जारी हुआ है। निर्माण समिति की अगली बैठक में समस्त जानकारी लेकर जनपद व आरईएस के अधिकारी आयें। साथ ही यह भी जानकारी अगली बैठक में प्रस्तुत करें कि 15 वें वित्त योजना एवं जनपद विकास निधि के कार्यों पर सहमति जिला एवं जनपद पंचायत के किस सामान्य सभा अथवा अन्य बैठकों में सदस्यों से सहमति ली गई। जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह की सहमति से कई अन्य विषय भी चर्चा के दौरान आये जिसमें लुण्ड्रा जनपद पंचाायत में केन्द्र के कई योजनाओं की बची राशियों को खर्च करने सहित जनपद सदस्यों के शिकायत के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं करने सहित कई मामलों को जिला पंचायत सदस्यों ने बैठक में उठाया। आज के सामान्य सभा की बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी जिला पंचायत सदस्यों के सवालों पर लगातार घिरते हुए नज़र आये। सभी से जवाब एवं स्थल पर निरीक्षण कराने,कमेटी बनाकर जांच कराने सहित कई विषयों पर सामान्य सभा की बैठक में निर्णय लिया गया है।

अनाधिकृत रूप से ड्यूटी से महीनो गायब रहने वाले दो आरक्षक बर्खास्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 जून 2024 (घटती-घटना)।

बिना किसी सूचना के अनाधिकृत रूप से गायब रहने वाले दो आरक्षकों के खिलाफ एसपी ने बर्खास्तगी की कार्रवाई की है। दोनों आरक्षक बिना किसी सूचना के महीनों से ड्यूटी से गायब थे। एसपी ने आरक्षकों के विरुद्ध आरोप पत्र जारी कराया था। विभागीय जांच में आरोप प्रमाणित पाए जाने पर बर्खास्तगी की कार्रवाई की गई है।

बर्खास्त

जानकारी के अनुसार थाना सीतापुर में पदस्थत आरक्षक विष्णु दयाल सिंह 3 मार्च 23 से कार्रवाई दिवस तक कुल 481 दिनों से अनाधिकृत रूप से ड्यूटी से गायब थे। रक्षित केन्द्र में पदस्थत आरक्षक प्रवेश मण्डल 30 जून 23 से अनाधिकृत रूप से गैरहाजिर रह रहा था। दोनों आरक्षकों के विरुद्ध आरोप पत्र जारी कर विभागीय जांच की गई थी। विभागीय जांच में आरोप प्रमाणित पाये जाने एवं उपरोक्त दोनों आरक्षकों को कई बार नोटिस जारी कर विभागीय जांच में सहयोग करने की सूचना दिए जाने के बावजूद भी विभागीय जांच में सहयोग नहीं उपस्थित नहीं होने पर एसपी योगेश पटेल ने बर्खास्तगी की कार्रवाई की है। पूर्व में भी दोनों आरक्षकों को गैरहाजिर रहने के सम्बन्ध में सुधार का अवसर दिया गया था। सुधार के कई अवसर प्रदान करने के बाद में दोनों आरक्षकों में कोई सुधार नहीं होने पर आरक्षक विष्णु दयाल सिंह एवं आरक्षक प्रवेश मण्डल कों सेवा से पृथक कर दिया गया है। गैरहाजिर अवधि को काम नहीं वेतन नहीं के आधार पर निराकृत किया गया है।

सर्पदंश से दो सगी बहनों की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 जून 2024 (घटती-घटना)।

चंदौरा थाना क्षेत्र के ग्राम गोवर्धनपुर में 25 जून की रात को जमीन में सोने के दौरान सांप ने दो सगी बहनों को डंस लिया। दोनों की स्थिति बिगडऩे पर परिजन इलाज के लिए वाड्रफनगर अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान एक की मौत हो गई। चिकित्सकों ने दूसरी बहन को बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार संजना पिता मोती अगरिया (14) चंदौरान थाना क्षेत्र के ग्राम गोवर्धनपुर की रहने वाली थी। वह 25 जून की रात को अपनी बहन सुमन के साथ घर में ही जमीन में बिस्तर लगाकर सोई थीं। इस दौरान देर रात को सांप ने दोनों बहनों को डंस लिया था। सुबह उठे तो दोनों उल्टी करने लगे। परिजन को बताने पर दोनों को इलाज के लिए वाड्रफनगर अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान सुमन की मौत हो गई। वहीं संजना की स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने इसे भी मृत घोषित कर दिया।

नाटो के नए महासचिव बने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रूटे,नार्वे के इस नेता की जगह संभालेंगे कामकाज

ब्रुसेल्स,26 जून 2024। नाटो ने बुधवार को नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रूटे को अपना अगला महासचिव नियुक्त किया है। रूटे को यह जिम्मेदारी ऐसे समय सौंपी गई है,जब यूक्रेन में युद्ध जारी है और यूरोपीय सुरक्षा के लिए यह एक महत्वपूर्ण समय है।

रूटे की नियुक्ति पर मुहर

ब्रुसेल्स में 32 देशों के गठबंधन के मुख्यालय में नाटो राजदूतों की बैठक के दौरान रूटे की नियुक्ति पर मुहर लगाई गई। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके समकक्ष नौ से 11 जुलाई को वाशिंगटन में एक शिखर सम्मेलन में औपचारिक रूप से उनका स्वागत करेंगे।

इनकी जगह लेंगे

नीदरलैंड के प्रधानमंत्री एक अक्तूबर को महासचिव का पदभार संभालेंगे। वह नार्वे के जेन्स स्टोल्टेनबर्ग की जगह लेंगे। बता दें, स्टोल्टेनबर्ग ने इस पद पर एक

दशक से अधिक समय बिताया है। साल 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद निरंतरता बनाए रखने के लिए, उनके कार्यकाल को बार-बार बढ़ाया गया था।

नाटो को मजबूत करना जरूरी

स्टोल्टेनबर्ग ने कहा, मैं अपने उत्तराधिकारी के रूप में मार्क रूटे को नाटो सहयोगियों द्वारा चुने जाने का स्वागत करता हूं। मार्क एक मजबूत नेता हैं। मैं उनकी सफलता की कामना करता हूं। आज या आने वाले समय की चुनौतियों से निपटने के लिए नाटो को मजबूत करना जरूरी है। मुझे पता है कि मैं नाटो को अच्छे हाथों में दे रहा हूं।

महासचिव बैठकों की अध्यक्षता करते हैं और सदस्य देशों के बीच अक्सर नाजुक परामर्शों का मार्गदर्शन करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संगठन, जो आम सहमति से चलाया जाता है, सुचारू रूप से काम कर सके। नाटो नेता यह भी सुनिश्चित करता है कि निर्णयों को अमल में लाया जाए और सभी सदस्यों की ओर से बोलता है।

ब्रिटेन में आम चुनाव से पहले सट्टेबाजी से सियासी बवाल, सत्ताधारी दल के बाद अब विपक्ष भी मुश्किलों में घिरा

लदन,26 जून 2024। ब्रिटेन में प्रधानमंत्री पद के लिए चार जुलाई को चुनाव होने वाला है। इस बीच,यहां इन दिनों सट्टेबाजी स्कैंडल को लेकर सियासी बवाल मचा हुआ है। हाल ही में ब्रिटेन में आम चुनाव से पहले प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को कई आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। उनके बॉडीगार्ड को सट्टेबाजी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वहीं, अब इस मामले में उनके प्रतिद्वंदी लेबर पार्टी के कुछ बड़े नेता भी घिरते दिख रहे हैं। नेता कीर स्टारर ने अपने एक उम्मीदवार को सट्टा लगाने के लिए निलंबित कर दिया है।

क्या है सट्टेबाजी का कानून?

दरअसल,ब्रिटेन का जुआ आयोग चुनाव के समय पर कथित रूप से सट्टेबाजी को लेकर सत्तारूढ़ दल से जुड़े कई व्यक्तियों की जांच कर रहा है। ब्रिटेन में सट्टेबाजी करना कानूनन अपराध नहीं है, लेकिन अंदरूनी जानकारी का फायदा उठाकर सट्टेबाजी करना अवैध बताया गया है। ब्रिटेन के जुआ अधिनियम 2005 की धारा 42 के तहत जुए में धोखाधड़ी करना अपराध है।

केविन क्रेग निलंबित

लेबर पार्टी ने आम चुनाव में अपने उम्मीदवार केविन क्रेग को निलंबित कर दिया है। वहीं क्रेग ने

सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि उन्होंने खुद के हारने पर शर्त लगाई थी और जीत की रकम दान में देने वाले थे। उन्होंने कहा, हालांकि मैंने नतीजों के बारे में पहले से कोई जानकारी लेकर यह शर्त नहीं लगाई थी, लेकिन यह एक बहुत बड़ी गलती थी, जिसके लिए मैं बिना शर्त माफी मांगता हूं।'

कौन हैं क्रेग?

बता दें, केविन क्रेग पूर्वी इंग्लैंड में सेंट्रल सफोक और नॉर्थ इप्सविच से लेबर पार्टी के सांसद बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, जिसे कंजर्वेटिव की सुरक्षित सीट माना जाता है। यह सीट पहले डैन पॉल्टर के पास थी,जो चुनाव से पहले टोरीज से लेबर में चले गए थे और फिर राजनीति से बाहर हो गए।

मुझे लगा मैं नहीं जीत पाऊंगा

निलंबित लेबर क्रेग ने कहा, कुछ सप्ताह पहले जब मुझे लगा कि मैं यह सीट कभी नहीं जीत पाऊंगा, तो मैंने टोरीज पर शर्त लगाई थी कि वे जीतेंगे, इस इरादे से कि जीत की राशि दान में दे दी जाएगी। हालांकि मैंने परिणाम के बारे में पहले से कोई जानकारी होने पर शर्त नहीं लगाई थी, लेकिन यह एक बहुत बड़ी गलती थी, जिसके लिए मैं बिना शर्त माफी मांगता हूं। किसी भी निलंबित टोरी सांसद के मामले में, अभियान के इस अंतिम चरण में मतपत्रों में उनके नाम के बगल में पार्टी का चिह्न दिखाई देगा, लेकिन निर्वाचित होने पर उन्हें एक स्वतंत्र सांसद माना जाएगा। इस बीच,उन्होंने कहा है कि वे जुआ आयोग की जांच का पूरी तरह से पालन करेंगे। लेबर पार्टी ने पिछले कुछ दिनों में सुनक पर अपने पार्टी सहयोगियों को निलंबित करने के लिए दबाव डाला था,इसलिए इसे एक अपरिहार्य कदम के रूप में देखा गया। लेबर पार्टी के प्रवक्ता ने कहा, नेता के रूप में कीर स्टारमर के नेतृत्व में लेबर पार्टी अपने संसदीय उम्मीदवारों के लिए उच्चतम मानकों को कायम रखती है, जैसा कि जनता किसी भी पार्टी से उम्मीद करती है, यही कारण है कि हमने इस मामले में तुरंत कार्रवाई की है।

नवविवाहित महिला ने अज्ञात कारणो से फांसी लगाकर की आत्महत्या

- संवाददाता -

लखनपुर,26 जून 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के कुन्नी पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम पोड़ी में 25 वर्षीय विवाहिता महिला ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है जहा पुलीस ने नायब तहसीलदार की उपस्थिति में पुलिस के द्वारा शव का पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम करा परिजनो को को सुपुर्द किया है। 26 जून दिन बुधवार को कुन्नी चौकी प्रभारी राजेश्वर महंत से मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम पोड़ी में 25 वर्षीय विवाहिता

महिला शिमला पैकरा पति भरत सिंह पैकरा ने घर के कमरे के मयार में रस्सी का फंदा बना फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सुचना परिवारजनों ने कुन्नी पुलिस को दी। नायब तहसीलदार उमेश तिवारी चौकी प्रभारी राजेश्वर महंत की उपस्थिति में पुलिस टीम के द्वारा विवाहिता महीला के शव का पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द किया गया साथ ही मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद से परिवार जनों में शोक का माहौल व्याप्त है।

रेल संघर्ष समिति के प्रतिनिधि मंडल ने तखतपुर के विधायक धर्मजीत सिंह से मुलाकात

- संवाददाता -

अंबिकापुर,26 जून 2024 (घटती-घटना)।

रेल संघर्ष समिति के प्रतिनिधि मंडल ने तखतपुर के विधायक धर्मजीत सिंह से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ प्रदेश को उत्तर प्रदेश से रेल मार्ग के माध्यम से जोड़ने वाले अंबिकापुर रेणुकूट प्रस्तावित रेल मार्ग निर्माण में उनका सहयोग माँगा। जनहित से जुड़े इस विषय पर गतिशील मंच बनाकर रेल संघर्ष समिति द्वारा किए जा रहे प्रयास को सराहनीय बताते हुए उन्होंने इसका समर्थन करते हुए इसमें हर संभव सहयोग के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

वरिष्ठ विधायक धर्मजीत सिंह अपने प्रवास के क्रम में अंबिकापुर आए थे।अंबिकापुर आगमन के दौरान भाजपा नेता कैलाश मिश्रा के नेतृत्व में रेल संघर्ष समिति के प्रतिनिधि मंडल ने उनसे मुलाकात कर अंबिकापुर रेणुकूट रेल लाइन निर्माण के लिए किए गए प्रयास व आंदोलन की जानकारी देते हुए इस रेल मार्ग को उत्तर छत्तीसगढ़ के लिए बृहत्तर रेल नेटवर्क से जोड़ने का सशक्त व कारगर माध्यम बताया। वरिष्ठ भाजपा नेता और विधायक धर्मजीत सिंह ने जन भावना अनुरुप विधानसभा के इस सत्र में अशासकीय संकल्प के माध्यम से इसके महत्व को रेखांकित करते हुए इस अभियान की सफलता के लिए अपनी मजबूत भागीदारी को लेकर आश्वस्त किया।

चर्चा के दौरान क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्श दात्री समिति सदस्य मुकेश तिवारी, रेल संघर्ष समिति के चंद्रशेखर तिवारी, जितेंद्र सिंह, वेदांत तिवारी, राकेश सिंह, पीयूष त्रिपाठी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

डाईट की तात्कालीन प्राचार्य के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

प्रशिक्षण के दौरान असुरक्षित टंकी में डूबने से हुई थी 04 वर्षीय बालिका की मौत

- संवाददाता -

अंबिकापुर,26 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाईट) अंबिकापुर में प्रशिक्षण के दौरान अपनी मां के साथ आई 04 वर्षीय बालिका ध्वनि पिता संजीव युवने की ग्राउंड फ्लोर में बने असुरक्षित पानी टंकी में गिर जाने से मौत के मामले में गांधीनगर पुलिस ने डाईट की तत्कालीन प्राचार्य शशि सिंह के खिलाफ धारा 304 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। घटना 3 माह पूर्व की है, पुलिस द्वारा मामले में कार्यवाही न करने से व्यथित मृतिका के मां ने न्यायालय में परिवाद भी दायर किया है।

बता दें जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाईट) अंबिकापुर में पानी टंकी बनाया गया था। जिसे सुरक्षित तरीके से ढंकने के बजाए पुराने बैंच के पटरा से ढंक दिया गया था। घटना दिवस 12 मार्च को जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा था। प्रशिक्षण के दूसरे दिन भी लखनपुर निवासी एक महिला कर्मचारी अपनी पुत्री के साथ प्रशिक्षण में आई थी। इसी दौरान खेलते समय पुत्री ध्वनि पानी

टंकी में गिर गई थी। अचानक उसके गायब होने से प्रशिक्षण में आए कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। ढूंढते समय जब असुरक्षित ढंके टंकी के भीतर झांका गया तो बालिका का शव उपर तैरता मिला। इस मामले में पुलिस ने पंचनामा पोस्टमार्टम की कार्रवाई की थी। पुलिस ने बताया कि पानी टंकी को ढंकने में लापरवाही के वजह से बालिका की मौत हुई है,जिससे डाईट की तत्कालीन प्राचार्य के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाईट) अंबिकापुर में प्रशिक्षण के दौरान भूमिगत टंकी में 4 वर्षीय बालिका के डूब जाने से मौत के मामले में पुलिस द्वारा कार्यवाही नहीं किये जाने से क्षुब्ध मृतिका की मां ने मई माह में अंबिकापुर न्यायालय में परिवाद भी दायर किया था।

पीडब्ल्यूडी विभाग के संभागीय लेखाधिकारी ने विभाग के ही कर्मचारी की पत्नी बेटी और बच्चे के साथ जम कर गाली गलौच करकिया मार-पिटाई

- संवाददाता -

पत्थलगांव,26 जून 2024 (घटती-घटना)।

पत्थलगांव पीडब्ल्यूडी विभाग के संभागीय लेखाधिकारी आलोक मंडल ने विभाग के ही कर्मचारी की पत्नी बेटी और बच्चे के साथ जम कर गाली गलौच जान से मारने कई धमकी देते हुए मार पिट किया गया जिनके विरूध थाने में अपअपराध दर्ज कर लिया गया है। मंगलवार रात करीबन 7 बजे के आसपास पीडब्ल्यूडी विभाग पत्थलगांव में कार्यरत संभागीय लेखाधिकारी आलोक मंडल ने विभाग के ही कर्मचारी पारस कैथल की पत्नी सुशीला कैथल बेटी सुषमा कैथल और बच्चे मोहित कैथल जो कि अभी मात्र सोलह वर्ष के साथ जम कर मार पिटाई की है। जानकारी अनुसार इस तरह की मार पिटाई वो भी एक महिला उसकी बेटी और बच्चे के साथ किया है। उसे देखने वाले बड़ा भयावह स्थिति बता रहे है। मार पिटाई के वक्त आलोक मंडल की पत्नी भी वही मौजूद थी इस मार पिटाई का वीडियो भी है जिसमे आलोक मंडल सुशीला कैथल की बेटी सुषमा कैथल के साथ भी मार पीट करते दिख रहा है। शासकीय कर्मचारी के द्वारा महिला बेटी और उसके नाबालिग बच्चे के

साथ इस तरह की गई मारपीट को पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारि और कर्मचारी के द्वारा अमानवीय कृत्य कहा जा रहा है। उनका कहना है जब महिला का पति घर मे नही है तब महिला और उसके बच्चे के साथ इस तरह की मारपीट कर आलोक मंडल क्या दिखाना चाह रहा है।आलोक मंडल पीडब्ल्यूडी का अधिकारी जिसने मारपीट की है

आवेदिका ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि मैं सुशीला कैथल पति पारस लाल कैथल निवासी पीडब्लूडी कालोनी पत्थलगांव में रहती हूं वाहन खड़ी करने को लेकर विभाग के ही आलोक मंडल ने रात्री करीब 7, से 7, 30बजे के आसपास गाड़ी खड़ा करने की बात को लेकर मुझे मेरी बेटी और मेरे बच्चे को जाती सूचक शब्द में गन्दी गन्दी माँ बहन की अश्लील गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ मुक्का और डंडा से मारपीट किया है। जिसमे मेरे चेहरे हाथ पैर में में काफी चोट लगा है। कान में बहुत दर्द हो रहा है। इस तरह के कृत्य करने वाले आलोक मंडल के ऊपर पुलिस कड़ी कार्यवाही करें।

शुशीला कैथल के द्वारा एक मारपीट करने गाली गलौच और जान से मारने की धमकी देने को लेकर शिकायत प्राप्त हुआ है जिसमे हमारे द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर तथ्यों के अनुसार वैधनीक कारवाही की जा रही है।

डॉक्टर खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना का नाम बदले जाने पर पूर्व मंत्री सिंहदेव का आया बयान

- संवाददाता -

अम्बिकापुर, 26 जून 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में डॉक्टर खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना का नाम बदलकर शहीद वीरनारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना रखा गया है। इसका आदेश लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने जारी किया है। योजना का नाम बदलने को लेकर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा, यह लोकतंत्र के लिए स्वस्थ परंपरा नहीं है। नाम बदलने का फैसला खूबचंद बघेल का अनादर है।

डॉक्टर खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना का नाम बदले जाने पर पूर्व मंत्री सिंहदेव का आया बयान

पूर्व मंत्री सिंहदेव ने कहा, अगर सरकार नए सिरे से कुछ योजना चालू करते हैं तो उसे अपने हिसाब से नाम रखें। पहले से संचालित कार्यक्रम योजना का नाम बदलना सही नहीं है। ये बिलकुल स्वस्थ परंपरा लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। ऐसे में एक परिपाटी बन जाएगा। आज मैं हूं सत्ता में तो अपने हिसाब से नाम रखा, कल कोई और आया तो वह अपने हिसाब से नाम रखेगा। हम नाम रखने पर सवाल नहीं उठा रहे हैं। नाम बदलने पर सवाल उठा रहे हैं। सरकार नई योजना का नया कार्यक्रम शुरू कर उसका नाम रख ले।

विधायक ने जीवनदीप समिति की बैठक लेकर क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने दिए निर्देश

- संवाददाता -

लखनपुर,26 जून 2024 (घटती-घटना)।

26 जून बुधवार को अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने जिले के उदयपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जीवनदीप समिति की बैठक ली। बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने निर्देश दिए हैं। बैठक पश्चात विधायक राजेश अग्रवाल ने अस्पताल के वार्डो का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायज लिया तथा अस्पताल में उपचार हेतु आए मरीजो और भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना साथ ही मरीजों से स्वास्थ्य सुविधा के संबंध

में जानकारी प्राप्त की। तथा विधायक राजेश अग्रवाल ने स्वास्थ्य व्यवस्था दुरुस्त करने हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

नवीन कानूनों के बारे में सूरजपुर पुलिस के अधिकारी-कर्मचारियों को ऑनलाईन माध्यम से किया गया प्रशिक्षित

- संवाददाता -

सूरजपुर, 26 जून 2024 (घटती-घटना)।

1 जुलाई 2024 से 3 नवीन कानून लागू होंगे जिसके प्रभावी क्रियान्वयन, जिले में वृहद रूप से प्रचार-प्रसार करने और पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को कानूनों के बारे में प्रशिक्षण देने के निर्देश उप पुलिस महानिरीक्षक व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने दिए है जिसके परिपालन में बुधवार, 26 जून 2024 को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो ने वर्चुअल माध्यम से नवीन कानूनों का

ऑनलाईन जिला स्तरीय सेमिनार का आयोजन किया जिसमें 165 पुलिस अधिकारी व विवेचकगणों ने प्रशिक्षण हासिल किया।

इस दौरान एएसपी संतोष महतो ने नवीन आपराधिक कानूनों के प्रत्येक पहलुओं, विवेचना की बारीकियों एवं नए धाराओं के बारे में विस्तार से बताया। विवेचना के दौरान तकनीक के माध्यम से साक्ष्य संकलन, फोटोग्राफी व विडियोग्राफी के महत्व और अनिवार्यतया तथा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के बारे में विस्तार से चर्चा कर कानूनी पहलु से अवगत कराया। इस प्रशिक्षण में जिले के पुलिस अधिकारियों ने नए कानूनों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा कर उसका हल जाना।

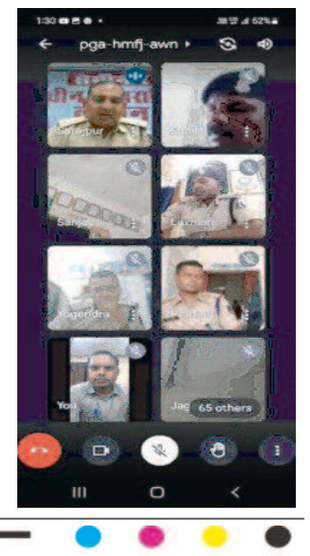

स्वास्थ्य मंत्री का छः महीने का कार्यकाल रहा निराशाजनक

छः महीने के कार्यकाल में स्वास्थ्य मंत्री पिछली सरकार के कार्यकाल में हुए स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्टाचार की न तो जांच करा पाए और ना ही कार्यवाही ही तय की

छःमहीने का कार्यकाल खराब होने का परिणाम है अपने विधानसभा में अपने लोकसभा प्रत्याशी को बढ़त तक नहीं दिला पाए

स्वास्थ्य विभाग पर ध्यान देने से ज्यादा महत्वपूर्ण है इनके लिए राइस मिलर और राइस मिल?

अपने खुद के जिले के स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्टाचार से अनभिज्ञ नहीं इसके बावजूद पुराने सीएमएचओ और डीपीएम पर रहे मेहरबान,ट्रांसफर पोस्टिंग में दिखाई ज्यादा दिलचस्प

आलोचना से घबरा रहे है स्वास्थ्य मंत्री...मंत्री पद बचा रहे हैं इसके लिए अब दिखा रहे हैं तत्परता छः महीने रहे निष्क्रिय

छत्तीसगढ़ के मंत्रिमंडल में होने वाले फेरबदल की सूची में इनका नाम होगा बाहर या फिर बदलेगा विभाग?

मंत्री पद ना जाए इसके लिए मार रहे हाथ पांव पूर्व मुख्यमंत्री का ले रहे सहारा

क्या बचा पाएंगे मंत्री पद?

-रवि सिंह-
एमसीबी/रायपुर 26 जून 2024
(घटती-घटना)।

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री का कार्यकाल प्रदेश सरकार की ही तरह छः माह का हो गया और यदि कार्यकाल की उपलब्धियों की बात की जाए तो कार्यकाल निराशाजनक ही रहा यह कहना गलत नहीं होगा। अपने छः माह के कार्यकाल में स्वास्थ्य मंत्री ने जो कुछ उदाहरण प्रस्तुत किया उसे देखते हुए यह भी सवाल अब खड़ा हो रहा है की क्या वह अपना मंत्री पद बचा पाएंगे? क्योंकि कहीं न कहीं प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था बेपटरी हो चली है वहीं सरगुजा संभाग सहित कोरिया एवम एमसीबी जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटीलेटर पर जा पहुंची है जो हम नहीं खुद भाजपा के ही बैकुंठपुर विधायक सहित भाजपा नेता मान रहे हैं और व्यवस्था सुधारने खुद अस्पताल हफ्ते में एक बार जाने की बात कर रहे हैं। सरकार और उसके मुख्यमंत्री और मंत्रियों का जब चयन होता है किसी सरकार में तो यह माना जाता है की जिस विभाग का जो विधायक मंत्री बनेगा वह कम कम उस विभाग के मामले में अपने क्षेत्र को अलर्ट मोड पर रखेगा और उसके विभाग के मामले में उसका क्षेत्र हर दम सुविधा प्रदाता होगा बेहतर सुविधा प्रदाता होगा जो माना जाता है। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के मामले में यदि वर्तमान मंत्री का कार्यकाल देखा जाए तो उनके अपने ही क्षेत्र और जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटीलेटर पर है और बेपटरी हो चुकी है। कोरिया एमसीबी जिले में तो स्वास्थ्य विभाग भ्रष्टाचार के भी कीर्तिमान लिख रहा है पहले जहां पूर्व की सरकार के कार्यकाल में भी भ्रष्टाचार चरम पर था कोरोना जैसी महामारी के दौरान भी जहां भ्रष्टाचार जारी था वह अब भी जारी है वहीं अब इसका असर सूरजपुर जिले तक भी पहुंच गया है और वहां भी हाल बुरा हो चला है। कुल मिलाकर अब जहां आम लोग शासकीय अस्पतालों की तरफ कम रुख कर रहे हैं गंभीर मामलों में वह सीधे निजी अस्पताल जा रहे हैं वहीं खुद विधायक और नेता अपनी ही सरकार में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर बयान दे रहे हैं उसे खराब बता रहे हैं।

पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार की जांच भी नहीं करा पाए स्वास्थ्य मंत्री वहीं कार्यवाही भी नहीं तय कर पाए किसी पर

पूरवर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में स्वास्थ्य विभाग में जमकर भ्रष्टाचार हुआ वहीं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में तो आपदा को अवसर मानकर काम किया गया और खरीदी में जहां भ्रष्टाचार हुआ वहीं भर्ती में भी जमकर भ्रष्टाचार हुआ। कोरिया जिले में तो जिसके ऊपर भ्रष्टाचार का आरोप लगा वह खुद को वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री का भतीजा ही बताने लगा और कांग्रेस शासनकाल के अपने भ्रष्टाचार से बच निकला, विडंबना कहें या पहुंच भ्रष्टाचारी व्यक्ति की जिसे भ्रष्टाचार का आरोपी होना था वह बन गया अन्य जिले का पुनः प्रभारी और वहां भी वह वही करने लगा जो कोरिया जिले में करता था कांग्रेस शासनकाल में। भ्रष्टाचार मामले में वह भी पूर्वर्ती कांग्रेस शासनकाल के स्वास्थ्य मंत्री कुछ नहीं कर पाए वहीं वह न तो किसी मामले की जांच ही करा पाए। देखा जाए तो उन्होंने मामले को जाने दिया और वह भूल बैठे की कोई भ्रष्टाचार हुआ भी था। वैसे भ्रष्टाचार हुआ है और जांच होगी कार्यवाही होगी यह भाजपा नेताओं का ही बयान था जिसे भूल गए स्वास्थ्य मंत्री जी।

एमसीबी जिले के सीएमएचओ कोरिया जिले के सीएमएचओ की कार्यप्रणाली पर मनमानी पर भी नहीं लगा सके छः माह में अंकुश

सरकार और उसके मंत्री यदि अपने ही विभाग के मामले में वह भी अपने ही जिले में के मामले में अधिकारियों कर्मचारियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लगा सके तो यह माना जाएगा की मंत्री जी की या तो अधिकारी कर्मचारी सुनते नहीं या उनका ही सह प्राप्त है अधिकारियों कर्मचारियों को। स्वास्थ्य विभाग की ही बात करें तो एमसीबी जिला और कोरिया जिला के सीएमएचओ जमकर मनमानी करते हैं वहीं उनकी कार्यप्रणाली ऐसी है जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था जिले की वेंटीलेटर पर जा पहुंची है। स्वास्थ्य मंत्री अपने ही जिले के मामले में काफी असफल साबित हो रहे हैं अपने ही विभाग की कार्यप्रणाली सुधार पाने में। छः माह का कार्यकाल और जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की दुर्दशा यह बतलाता है की मंत्री जी स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी सम्हाल पाने में असमर्थ साबित हो चुके हैं। एमसीबी कोरिया जिले में विधायक और भाजपा नेता ही अब स्वास्थ्य व्यवस्था का कारनामा सामने ला रहे हैं डॉक्टरों को चेतवानी दे रहे हैं क्योंकि उन्हे मंत्री जी का भय ही नहीं।।

क्या स्वास्थ्य मंत्री की कुर्सी रहने वाली है सलामत?

जैसा की विश्वस्त सूत्रों का दावा है की प्रदेश में मंत्रीमंडल का जो विस्तार होने वाला है उसमे एक अन्य पिछड़ा वर्ग समाज के ही विधायक का नंबर लगना तय है और जिसके नाम का अंदरूनी ऐलान मुख्यमंत्री के दिल्ली दौरे दौरान ही कर दिया गया है वहीं वहां यह भी तय किया गया है की कुल तीन नए मंत्री बनाए जाएंगे जिनमें एक वर्तमान मंत्री को परफॉर्मेंस के आधार पर हटाया भी जायेगा वह भी जिसे हटाया जाएगा वह अन्य पिछड़ा वर्ग समाज से ही हटने वाला मंत्री होगा जिसकी जगह नए विधायक को जो अन्य पिछड़ा वर्ग से होगा को मंत्री बनाया जायेगा। बताया यह भी जा रहा है की एक मंत्री सामान्य वर्ग से भी होगा साथ ही एक मंत्री सतनामी समाज से भी होगा।। इस हिसाब से पूरी तरह जातीय समीकरण बैठा कर मंत्रीमंडल का विस्तार होगा।। अन्य पिछड़ा वर्ग से नया मंत्री कौन होगा यह तय हो गया है यह भी बताया जा रहा है और कौन हटेगा यह अब परफॉर्मेंस देखकर तय किया जाना है। फारफोर्मेंस का आधार यह माना जा रहा है की या लोकसभा चुनाव के परिणाम होंगे या फिर विभागीय सफलता असफलता,वैसे दोनों ही स्थितियों में सबसे खराब परफॉर्मेंस वाले मंत्री स्वास्थ्य मंत्री ही हैं जिनका विभागीय परफॉर्मेंस भी अच्छा नही है भाजपा नेता ही प्रदेश के स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर प्रश्न उठा रहे हैं वहीं लोकसभा चुनाव में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं माना गया और पार्टी प्रत्याशी को वह अपने ही विधानसभा से जीत नही दिला सके।

पूर्व मुख्यमंत्री से मिल रहे हैं लगातार,मंत्री पद बचाने की कवायद है जारी

स्वास्थ्य मंत्री फिलहाल अपनी कुर्सी बचाने में लगे हुए हैं ऐसा समझ में आने लगा है। वह लगातार पूर्व मुख्यमंत्री से मुलाकात कर रहे हैं और कहीं न कहीं इसीलिए वह विभाग को लेकर भी उदासीन बने हुए हैं और विभाग का बंटाधार जारी है। मंत्री जी लगातार दावा तो कर रहे हैं की स्वास्थ्य व्यवस्था सुदृढ़ हो जायेगी लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है और वह जहां भी जा रहे हैं जायजा लेने सभी जगह उन्हे व्यवस्था का बुरा हाल ही नजर आ रहा है।

बैकुंठपुर विधायक ने भी इस बात की स्वीकारोक्ति प्रदान करते हुए खुलासा कर दिया

स्वास्थ्य मंत्री का विधानसभा और जिला जो की नवीन गठित हुआ है के मरीजों के लिए आज भी जिला अस्पताल की सुविधा कोरिया जिला अस्पताल से ही मिल रही है क्योंकि अभी नए जिले में व्यवस्था नहीं हो सकी है वहीं कोरिया जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था बुरी स्थिति में है। पिछले दिनों भाजपा के जिला पदाधिकारी ने सोशल मिडिया पर इसको लेकर चिंता जताई थी और हाल ही में बैकुंठपुर विधायक ने भी इस बात की स्वीकारोक्ति प्रदान करते हुए खुलासा कर दिया की जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था खासकर जिला अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था बेहद चिंताजनक स्थिति में है और जिला अस्पताल रेफर सेंटर बनकर रह गया है। प्रदेश की नई भाजपा सरकार में मनेंद्रगढ़ विधायक को ऊर्जावान मानकर स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी दी गई थी लेकिन जैसा कि सूत्रों का कहना है वह खुद राइस मिलरों से ही व्यस्त रहते हैं घिरे रहते हैं वहीं कुछ दागदार अधिकारी कर्मचारी भी उनकी आड़ में स्वास्थ्य विभाग की साख को बट्टा लगा रहे हैं और स्वास्थ्य मंत्री खुद या तो अनभिज्ञ हैं या फिर वह जानकर अनजान बनने का अभिनय कर रहे हैं।

स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल पूरे पांच साल बुरा रहा

प्रदेश में पिछली कांग्रेस सरकार के मंत्री ने स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर बड़े बड़े दावे किए थे मुफ्त चिकित्सा की बात कही थी लेकिन तब देखा गया था की स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल पूरे पांच साल बुरा ही बना रहा वहीं कोरोना महामारी में भी विभाग में भ्रष्टाचार हुए जो यह बताने के लिए काफी है की कफन से भी पैसे कमाई का जरिया ढूंढा गया था। वहीं तब विपक्ष में बैठी भाजपा और उसके नेता लगातार सरकार बनते ही भ्रष्टाचार की जांच कराने की बात करते थे वहीं जब सरकार बनी और जांच और कार्यवाही की बारी आई कई भ्रष्टाचारी नेता मंत्री के रिश्तेदार और भतीजे निकल गए जिन्हे कार्यवाही तो नहीं झेलनी पड़ी न उनके भ्रष्टाचार की जांच ही हुई बशर्ते उन्हे उपकृत कर दिया गया पुरस्कार प्रदान कर दिया गया।

छः माह में ही लोकप्रियता निचले स्तर पर पहुंच गई

स्वास्थ्य मंत्री का छः माह वाला कार्यकाल कैसा रहा यह इसी बात से समझा जा सकता है की उनकी ही लोकप्रियता इतनी निचले स्तर पर इन छः माह में पहुंच गई की उनके नेतृत्व में भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी को उनके क्षेत्र से जहां करारी हार मिली वहीं आसपास के भी विधानसभाओं से बड़ी हार मिली। कोरिया एमसीबी में पार्टी प्रत्याशी के लिए सबसे जिम्मेदार व्यक्ति थे मंत्री जी लेकिन जो परिणाम आया उसने बता दिया की कहीं न कहीं जनता उनसे छः माह में ही ऊब गई। अब मंत्रीमंडल विस्तार में मंत्री जी क्या अपनी कुर्सी बचा पाते हैं विभाग बचा पाते हैं या कुर्सी ही जाती है या विभाग जाता है यह देखने वाली बात होगी जो चर्चा भी लोग कर रहे हैं।वैसे लोगों का मानना है की स्वास्थ्य मंत्री को स्वास्थ्य मंत्री पद का जिम्मा देने की बजाए खाद्य एवं उद्योग विभाग का जिम्मा दे देना चाहिए क्योंकि उनके पास हर समय उठने बैठने वाले राइस मिलर ही हैं और जिनसे मंत्री जी पीछा नहीं छुड़ा पा रहे हैं वहीं ऐसे राइस मिलर उनके नाम पर अपनी मनमानी भी कर रहे हैं।

दागदार अधिकारियों से याराना निभाना कहीं महंगा न पड़ जाए मंत्री जी को

स्वास्थ्य मंत्री के साथ संलग्न या उनके जिले में कार्यरत अधिकारियों की बात करें तो यह देखने में आयेगा की दागदार अधिकारियों का उनके साथ याराना जैसा है और वह उसे ही निभाने में लगे हुए हैं और कहीं इसके चक्कर में वह मंत्री पद ही न खो दें। उनके सलाहकार, ओएसडी,उनके जिले के सीएमएचओ सहित जिले के कई वरिष्ठ अधिकारी जो कहीं न कहीं किसी मामले में दागदार रहे हैं वह मंत्री जी के खास हैं। उनके साथ संलग्न एक अधिकारी तो फर्जी प्रमाण पत्र वाले हैं जिनके मामले में यदि जांच हुई तो उनकी नौकरी भी खतरे में पड़ सकती है। कुल मिलाकर स्वास्थ्य मंत्री का ही पलड़ा परफॉर्मेंस वाला सबसे नीचे है और कहीं यही न अपनी विकेट मंत्रीमंडल विस्तार में गवां दें।

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत कोटपा एक्ट 2003 के तहत की गई चालानी कार्यवाही

-संवाददाता-
सूरजपुर,26 जून 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.एस. सिंह एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. प्रिंस जायसवाल के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत कोटपा अधिनियम 2003 के अंतर्गत जिला सूरजपुर में आज विकासखण्ड प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बस स्टैण्ड एवं अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में अधिनियम के तहत चालानी कार्यवाही की गई। चालानी कार्यवाही करते हुए दुकानदारों को कोटपा अधिनियम 2003 के प्रावधानों के अनुपालन हेतु समझाइश दी गई साथ ही कोटपा अधिनियम 2003 का उल्लंघन करने वालो पर चालान काटा गया तथा तम्बाकू से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में आमजनो को जागरूक भी किया गया। चालानी कार्यवाही के अंतर्गत विकासखण्ड प्रतापपुर में आज 15 चालान काटी गई जिसमें कुल राशि 3000 रूपये का चालान काटा गया। इस चालानी कार्यवाही में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, खाद्य एवं औषधि विभाग साथ ही साथ पुलिस विभाग थाना प्रतापपुर की सक्रिय भूमिका रही। जिला स्तर एवं विकास खण्ड टीम जिसमें जिला सलाहकार, डॉ. जसवंत कुमार दास, जिला औषधि निरीक्षक, जयप्रकाश शर्मा एवं थाना प्रभारी प्रतापपुर लक्ष्मण सिंह के द्वारा चालानी कार्यवाही किया गया। उक्त प्रकार की चालानी कार्यवाहियां संपूर्ण जिले में निरंतर रूप से की जा रही है।

जिला पंचायत के सभाकक्ष में सम्पन्न हुआ "नवीन न्याय संहिता" पर सेमिनार

मीडिया प्रतिनिधियों को नवीन न्याय संहिता से कराया गया परिचित

-संवाददाता-
सूरजपुर,26 जून 2024
(घटती-घटना)।

1 जुलाई 2024 को नवीन न्याय संहिता लागू होने वाली है। जिसके संबंध में आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में सभी मीडिया प्रतिनिधि की उपस्थिति में सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के पत्रकार बंधुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 व भारतीय साक्ष्य संहिता 2023 के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू,एडिशनल एस.पी श्री संतोष महतो, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, जिला अभियोजन अधिकारी श्री मनोज कुमार चतुर्वेदी, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी श्री प्रदीप चंद्रकार व अन्य संबंधित अधिकारी ने अपनी उपस्थिति थे।

इस अवसर पर एडिशनल एस.पी. श्री संतोष महतो द्वारा उपस्थित पत्रकार बंधुओं को बताया गया कि 01 जुलाई से नवीन न्याय संहिता के तहत इंडियन पीनल कोड, 1860 की जगह भारतीय न्याय संहिता, 2023 स्थापित होगा, क्रिमिनल प्रोसीजर कोड, 1898 की जगह अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और इंडियन एवीडेंस एक्ट, 1872 की जगह भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023 स्थापित होगा। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि ये तीनों कानून हमारे क्रिमिनल जस्टिक में बहुत बड़ा बदलाव लाएंगे।

CMYK

क्या प्रदेश में कलेक्टर को निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के अनुसार चलना होगा...जनता के अनुसार नहीं...सही गलत के अनुसार नहीं ?

कलेक्टर श्री बिलास भोस्कर संदीपन

क्या कलेक्टर को विधायक मंत्री की गलत बात भी माननी होगी...नहीं तो होगी उनकी छुट्टी ?

सरगुजा संभाग के दो अच्छे कलेक्टरों को हटाने विधायक और मंत्रियों ने एक्सरसाइज की शुरू ?

कलेक्टर श्री रोहित व्यास

क्या नियम के तहत चलने वाले कलेक्टर नहीं पसंद आते निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को ?

अक्सर देखा गया है की जो कलेक्टर जनप्रतिनिधियों की हर जायज नाजायज मांग को लेकर अपनी सहमति देता है वह लंबे समय तक जिले में रहता है और उसे फिर से नया जिला मिलना भी तय रहता है। नियम से चलने वाले कलेक्टरों को कोई पसंद नहीं करता खासकर निर्वाचित जनप्रतिनिधि यह देखा जाता रहा है। अब सवाल यह है की क्या नियम से चलने वाले न्यायप्रिय कलेक्टरों को जनरतिनिधि जिले में नहीं रहने देने वाले। सरगुजा का मामला देखकर यही कहा जा सकता है।

सरगुजा व सूरजपुर कलेक्टर को हटाने का प्रयास जारी...इन दोनों जिलों के कलेक्टर के अच्छे काम करने के बावजूद हटाने की कवायद जनप्रतिनिधियों के लिए ही नुकसानदायक

-भूपेन्द्र सिंह-
सरगुजा/सुरजपुर 26 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिला प्रशासन में कलेक्टर का पद लोकहित के लिए होता है जिसमें कलेक्टर की जिम्मेदारी होती है लोकहित में काम करना पर पिछले कुछ सालों से इस हित के लिए कलेक्टर नहीं भेजे जा रहे सिर्फ अपने मतलब व अपने काम को अपने हिसाब से करवाने के लिए मंत्री विधायक की मांग पर कलेक्टर भेजे जाते थे, जिस वजह से कई बार लोकहित में काम करने वाले अच्छे आईएएस को कलेक्टर बनने का मौका नहीं मिलता था,आईएएस आईपीएस के ट्रांसफर पोस्टिंग ही नेताओं के लिए कमाई के जरिया बन चुकी थी,ऐसा माना जा रहा था कि सरकार बदलने के बाद यह स्थिति खत्म हो जाएगी और एक अच्छे व्यवस्था के लिए कलेक्टर एसपी की पोस्टिंग जिले में होगी कुछ ऐसा देखने को भी मिला पहले चरण में, सूरजपुर कलेक्टर व सरगुजा कलेक्टर ने जनता के अनुरूप काम करना ज्यादा जरूरी समझा सही गलत को उसी हिसाब से उन्होंने तय किया, जिस वजह से जनता में उनकी छवि तो अच्छी बन गई पर वही निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को ऐसे कलेक्टर पसंद नहीं आ रहे हैं जबकि यह वह कलेक्टर हैं जो जनता के हित को लेकर और उनके न्याय के लिए काम कर रहे हैं और प्रशासन को जनता के लिए बेहतर कर रहे हैं, उससे जनता की दूरी समाप्त कर रहे हैं जो काफी अधिक बढ़ चुकी थी सूरजपुर कलेक्टर जहां अपने कार्यशैली को लेकर काफी कड़े अंदाज में काम कर रहे हैं ताकि जिले की व्यवस्था अच्छी रहे और लोग प्रशासनिक काम के लिए परेशान ना हो जिस वजह से लगातार उनकी बैठक होती रहती है और सभी कर्मचारियों को टाइम पर आने की हिदायत दी जाती है स्वास्थ्य विभाग को लेकर कलेक्टर काफी खड़ा रुख अपनाए बैठे हैं ताकि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य मिल सके वही सरगुजा कलेक्टर ने तो आने के साथ ही सरकार को बड़ा फायदा पहुंचाया और शासन की बेस कीमती जमीन को भूमाफियाओं के कब्जे से वापस कराया इसके बावजूद भूमाफियाओं के साथ मिलकर जनप्रतिनिधि इन्हीं कलेक्टरों की छुट्टी करने के षड्यंत्र में लगे हुए हैं। बताया जा रहा है की भूमाफियाओं के पक्ष में जनप्रतिनिधि सामने आ भले नहीं रहे हैं लेकिन वह भूमाफियाओं को प्रशासन से कोई परेशानी न हो उनका भूमाफिया वाला काम चलता रहे इसके लिए उनका वह सहयोग कर रहे हैं और कलेक्टर को हटाने की कवायद भी कर रहे हैं जिससे कलेक्टर के हटते ही भूमाफिया फिर बेशकीमती शासकीय भूमि पर कब्जा कर लें और जिसमे से हिस्सा उन्हे मिल जाए।

भूमाफिया के मसीहा बने विधायक सरगुजा कलेक्टर को हटाने के लिए लगा रहे एड़ी चोटी का जोर

सूत्रों की माने तो सरगुजा विधायक सरगुजा कलेक्टर को हटाने एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए हैं। बताया जा रहा है सूत्रों द्वारा की सरगुजा विधायक भूमाफियाओं के पक्ष में कलेक्टर को ही हटाने अपनी ऊर्जा लगा रहे हैं जिससे भूमाफियाओं का साम्राज्य फिर से स्थापित हो सके जिले में जो अभी कलेक्टर सरगुजा के कारण ध्वस्त हो चुका साम्राज्य है। सरगुजा विधायक को लेकर बताया जा रहा है की वह रायपुर तक लगातार दौड़ लगा रहे हैं जिससे भूमाफियाओं को राहत मिल सके जो इस कलेक्टर के रहते नहीं मिलना तय है।वहीं माना जा रहा है की अभी हाल में ही जो जमीन भूमाफियाओं के कब्जे से शासन को वापस मिली है वह भी पुनः भूमाफियाओं को मिल सके यह भी उनका उद्देश्य है।

जहां राजमोहिनी भूमि कार्यवाही मामले में कलेक्टर को होना था सम्मानित तो वहां उन्हें हटाने की कवायद क्यों ?

राजमोहनी देवी भवन के पीछे की शासकीय भूमि जो करोड़ों की भूमि थी को लेकर जब यह जानकारी सामने आई की वह जमीन कूट रचित दस्तावेज के सहारे बेच दी गई तब सरगुजा कलेक्टर ने मामले में संज्ञान लिया और तेजी से कार्यवाही कर जमीन को कब्जा मुक्त कराते हुए दोषियों को जेल भेजा। कार्यवाही में शासन को बेशकीमती जमीन का फायदा हुआ जिसे भूमाफियाओं ने बेच दिया था। मामले में जहां माना जा रहा था की कलेक्टर सम्मानित होंगे ऐसा न होकर अब उनके विरुद्ध उन्हे हटाए जाने की कार्यवाही हो रही है जो गंभीर विषय है एक इमानदार अधिकारी के हिसाब से सही नहीं है।

विधायक के आँख की किरकिरी क्यों बने सरगुजा कलेक्टर ?

सरगुजा कलेक्टर अच्छा काम करने के बावजूद सरगुजा संभाग के एक विधायक की आंखों किरकिरी बन गए हैं ऐसा जन चर्चा बना हुआ है सूत्रों का कहना है कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि अवैध अतिक्रमणधारी सहित भू माफिया और विधायक के खास है या काहे की गुर्गे है, भू माफिया के ऊपर कार्यवाही हुई जिस वजह से विधायक के पास भू माफिया उसे कलेक्टर को हटाने के लिए दवा बना दिए हैं और विधायक भी उसे दबाव में है जिस वजह से उन्हें कलेक्टर का अच्छा काम नहीं दिख रहा है जबकि वह शासन के लिए सही सरगुजा संभाग के लिए काफी फायदेमंद था, जो काम आज तक करेक्टर नहीं कर पाए वह भाजपा सरकार में पहली पोस्टिंग पाते ही सरगुजा कलेक्टर ने कर दिखाया इसके बावजूद विधायक की आंखों की किरकिरी बना समझकर परे है विधायक का किन भूमाफिया से है साठगांठ जल्द होगा खुलासा?

कुछ व्यापारियों का गलत काम करने से कलेक्टर का इंकार जिस वजह से सूरजपुर कलेक्टर को हटाने के लिए विधायक के प्रयास भी जारी

बताया जा रहा है की सरगुजा कलेक्टर के लिए जहां सरगुजा विधायक एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए हैं की उन्हे हटाया जाए जिससे भूमाफियाओं का धंधा फिर से जारी हो सके वहीं सूरजपुर कलेक्टर को लेकर बताया जा रहा है की कुछ व्यापारियों का गलत काम नही करना सूरजपुर कलेक्टर को भारी पड़ सकता है क्योंकि व्यापारी इसकी शिकायत विधायक से कर चुके हैं और अब विधायक कलेक्टर को हटाने प्रयास जारी रखे हुए हैं। बताया जा रहा है की सूरजपुर कलेक्टर की कार्यप्रणाली साफ सुथरी है और जिसे लेकर कुछ लोगों को दिक्कत है क्योंकि उनका गलत काम नहीं हो पा रहा है इसीलिए ऐसे लोग विधायक की शरण में हैं और विधायक कलेक्टर को हटाने शासन और सरकार की शरण में हैं।

सरगुजा कलेक्टर लगातार अतिक्रमण के विरुद्ध कर रहे कार्यवाही जो जनप्रतिनिधियों के गुर्गो को नहीं आ रहा पसंद

सूत्रों की माने तो सरगुजा कलेक्टर अपने ही धुन में काम करने में लगे हुए हैं। वह लगातार अतिक्रमण के विरोध में कार्यवाही कर रहे हैं जो अतिक्रमण करने वालों को और जनप्रतिनिधियों के गुर्गो को रास नहीं आ रहा है। बताया जा रहा है इसीलिए जनप्रतिनिधि किसी भी हाल में सरगुजा कलेक्टर को सरगुजा से हटाने के जुगाड में लगे हैं। वैसे प्रदेश की भाजपा सरकार देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में काम कर रही है ऐसा सरकार ही दावा करती है वहीं प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार मुक्त भारत को लेकर एक अभियान चला रखे हैं ऐसे में यदि भाजपा के ही नेता भूमाफियाओं और अतिक्रमणकारियों के साथ मिलकर गलत काम करेंगे अतिक्रमण सहित शासकीय भूमि का गबन करेगें कैसे प्रधानमंत्री की भ्रष्टाचार मुक्त भारत अभियान को सफल बनाया जा सकेगा। वैसे केवल गैर भाजपा शासित राज्यों में ही भ्रष्टाचार मुक्त भारत अभियान जारी रहेगा वहीं भाजपा शासित राज्यों में यह अभियान शिथिल रहेगा यदि ऐसा है तो फिर सब कुछ जैसा चल रहा है वह सही है।

गुर्गो के कहने पर निर्वाचित जनप्रतिनिधि कलेक्टर को चाहते हैं बदलना

अपने ही गुर्गो के इशारे पर निर्वाचित जनप्रतिनिधि कलेक्टर को हटाना चाहते हैं। कलेक्टर वैसे बेहद कड़क मिजाज के हैं गलत कार्यो के मामले में वहीं यदि काम नियम अनुसार है वह काफी सरल सहज हैं और न्याय प्रिय हैं।

एक समाज विशेष का शहर में अतिक्रमण ज्यादा

शहर में एक समाज विशेष का अतिक्रमण ज्यादा है। माना जाता है की शहर के हर हिस्से में उनकी जमीन है और जमीन के साथ उनका कब्जा शासकीय भूमि पर भी कई जगह है। शहर में या उसके आसपास शरणार्थियों को भी भूमि दी गई है शासन द्वारा जिसे खरीदना बेचना मना है और ऐसी भूमि की भी खरीदी बिक्री होती रही है जिसमे भी एक समाज का ही ज्यादा हिस्सा है खरीदी में। कुल मिलाकर वह समाज चाहत ही नहीं की जमीन मामले में जांच हो कार्यवाही हो क्योंकि उसे उससे नुकसान है। माना जा रहा है इसीलिए वह जनप्रतिनिधि के साथ मिलकर कलेक्टर के खिलाफ उन्हे हटाने का षडयंत्र रच रहा है।

एसईसीएल चिकित्सा अधिकारी के घर हुई लाखों की चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे हुई कैद

-संवाददाता-
कोरबा 26 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिले के कुसमुंडा क्षेत्र अंतर्गत विकास नगर ऑफिसर कॉलोनी में स्थित सी 5 में बीते मंगलवार की दोपहर बड़ी चोरी हो गई। यहां निवासरत अरविंद कुमार जो की एसईसीएल चिकित्सा विभाग के मुख्याधिकारी है उन्होंने अपने घर हुई चोरी की सूचना कुसमुंडा

पुलिस को दी जिसपर कुसमुंडा थाना प्रभारी रूपक शर्मा दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं डॉग स्क्वायड एवम फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को भी सूचना दी गई जो मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गए । दोपहर का समय और भीड़ भाड़ वाले इलाके में चोरी की घटना से कॉलोनी में हड़कंप मच गया। बताया गया के चोर पीछे के दीवाल से कूद कर घर में घुसे जिसकी वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। बताया जा रहा है की डॉक्टर अरविंद कुमार की बेटी की कुछ दिनो में शादी हैं ऐसे में सोने चांदी के गहने और केश बड़ी मात्रा में घर के अलमारी में रखे हुए थे,जिस वक्त ये घटना हुई घर पर कोई नही था,सूनेपन का फायदा उठाकर चोर बड़ी आसानी से घर में घुसकर हाथ साफ कर दिए। फिलहाल पुलिस पूरे मामले पर सूक्ष्मता और सघनता के साथ जांच कर रही है। पुलिस दावा कर रही है जल्द ही आरोपी को गिरेफतार कर लिया जाएगा ।

कोरबा पुलिस द्वारा नए कानूनों के संबंध में कार्यशाला का किया गया आयोजन

इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के पत्रकार हुए शामिल

-संवाददाता-
कोरबा,26 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिले के पुलिस मुख्यालय में कोरबा पुलिस द्वारा भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के बारे में इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के पत्रकार को बताने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दोपहर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी (भापुसे) के द्वारा पीपीटी के माध्यम से नवीन क़ानून के संबंध में जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक के द्वारा मीडिया से अनुरोध किया गया की नवीन क़ानूनो का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करे ताकि जनमानस को इसके बारे में जानकारी हो जाये। ज्ञात हो कि 01 जुलाई से नये क़ानून लागू हो जाएँगे। इसलिए इसके बारे में जानकारी देने के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया के नए कानून के लागू होने से देश की न्याय व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और पारदर्शी बनेगा । भारतीय न्याय संहिता का उद्देश्य आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार करना है, जबकि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने के साथ-साथ सुरक्षा उपायों को भी सुनिश्चित करती है साथ ही भारतीय साक्ष्य अधिनियम न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने वाले साक्ष्यों की मान्यता और प्रामाणिकता से संबंधित है।

सजग कोरबा के तहत पुलिस द्वारा होटल,लॉज,फेरी करने वाले,किराएदार और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की गई

-संवाददाता-
कोरबा,26 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के दिशा निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यू.बी.एस.चौहान एवं नेहा वर्मा के मार्गदर्शन में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी एवं थाना-चौकी क्षेत्र अंतर्गत होटल, लॉज, फेरी करने वाले, किराएदारों और संदिग्ध व्यक्तियों का जांच अभियान चलाया गया । पुलिस टीम के द्वारा होटल, लॉज संचालकों को स्पष्ट हिदायत दिया गया है कि होटल, लॉज में रुकने वाले व्यक्तियों की सूची बनाकर थाने में विधिवत तरीके से दिया जाए और अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति होटल लॉज में रुका हो उसकी जानकारी भी तुरंत नजदीकी थाने में दिया जाए। पुलिस टीम के द्वारा संदिग्धों और मुसाफिरों की जांच को लेकर क्षेत्र में घूम-घूम कर सामानों की फेरी करने वाले,सडक किनारे जडी बूटी, कपड़े, खिलौने बेचने वाले तथा गैस चूल्हा आदि रिपेयर करने वालों को पुलिस

थाना में तलब कर उनके वास्तविक पते, वर्तमान गतिविधियों तथा मुसाफिरी दर्ज कराने की जानकारी लिया गया। कुछ फेरीवालों ने थाने में मुसाफिरी दर्ज नहीं कराये थे उनकी मुसाफिरी दर्ज करायी गई। इस वर्ष दिनांक 25जून तक कोरबा पुलिस के द्वारा मुसाफिर चेक करते हुए 2021 लोगों को चेक किया गया, 604 किरायेदारो को तस्दीक़ किया गया, संदिग्ध अजनबी (एस एस रोल) के तहत 2046 लोगों को चेक किया गया एवं कदाचारी (बी सी रोल) के तहत 42 लोगों को चेक किया गया है। थाना प्रभारियों द्वारा फेरीवालों को आपराधिक गतिविधियों से दूर रहकर विधिवत जीवन व्यतीत करने की समझाइश दी गई है और गलत काम धंधों में पाए जाने से कड़ी कार्यवाही की चेतावनी देकर छोड़ा गया है। बाहरी व्यक्तियों को किराए पर रखने वाले मकान मालिकों एवं किराएदारों का सत्यापन किया गया और किराएदारों की सूची तैयार की गई। सत्यापन कार्य में लगे पुलिस के द्वारा किराएदारों के आईडी लेकर चेक किये और उनके काम काज की जानकारी लिया गया तथा उन्हें अवैधानिक गतिविधियों से दूर रहने की समझाइश दी गई।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विकास सोनकर आ0कांता सोनकर जाति खटिक निवासी नमनाकला, तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम-मायापुर तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) खसरा नं0 89/15 रकबा 0.016 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1,खसरा ,रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया हैं ,जो इस न्यायालय में विचाराधीन हैं।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 10/07/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

इंग्लैंड के खिलाफ बदला चुकता करने के लिए उतरेगा भारत

गुयाना,26 जून 2024। आक्रामक बल्लेबाजी रवैये के साथ भारत गुरुवार को यहां टी20 क्रिकेट विश्व कप के सेमीफाइनल में जब गत चैंपियन इंग्लैंड से भिड़ेगा तो एक दशक से अधिक समय से नॉकआउट चरण में हार के सिलसिले को तोड़ने की कोशिश करेगा।

पिछली बार जब ये दोनों टीमें इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भिड़ी थी तो इंग्लैंड ने भारत को 2022 में 10 विकेट से रौंद दिया था। एडिलेड में 10 विकेट की करारी हार के बाद से भारत शीर्ष क्रम में अपने रूढ़िवादी रवैये को छोड़ने में सफल रहा और इस प्रतियोगिता में अब तक अजेय रहा है। प्रोविडेंस स्टेडियम में संभावित परिस्थितियों को देखते हुए कागजों पर रोहित शर्मा और उनकी टीम मजबूत नजर आती है और बदला चुकता करने के लिए तैयार दिखती है। स्पिनरों ने शुरुआती मैच से ही यहां गेंदबाजी का आनंद लिया है और भारत के कुलदीप यादव और इंग्लैंड के आदिल राशिद जैसे खिलाड़ी नॉकआउट मुकाबले में अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए बेताब होंगे। तेज गेंदबाजों को भी इस मैदान पर सफलता मिली है।

अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी ने प्रतियोगिता की शुरुआत में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। दिलचस्प बात यह है कि आठ जून के बाद से यहां कोई मैच नहीं खेला गया है। उस दिन वेस्टइंडीज ने युगांडा के खिलाफ आसान जीत दर्ज की

थी। इससे क्यूरेटर को इस हाई प्रोफाइल मैच के लिए उपयुक्त पिच तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया।

भारत ने सुपर आठ चरण में शानदार प्रदर्शन किया लेकिन सेमीफाइनल के अत्यधिक दबाव में सहज गलतियां हो जाती हैं। शीर्ष क्रम में भारत विराट कोहली के बल्ले से रन की उम्मीद करेगा जिन्होंने अपने उच्च मानकों के अनुसार इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। इसके विपरीत उनके सलामी जोड़ीदार और कप्तान रोहित ने निडर क्रिकेट के मामले में अन्य बल्लेबाजों के लिए मानक स्थापित किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी 41 गेंद में 92 रन की धमाकेदार पारी को आने वाले कुछ समय तक आसानी से भुलाया नहीं जा सकेगा। रोहित और कोहली दोनों के लिए यह शायद भारत की जर्सी में टी20 विश्व खिताब जीतने का आखिरी मौका है और दोनों अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होंगे। रोहित ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वह व्यक्तिगत उपलब्धियों की परवाह किए बिना पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी करने का इरादा रखते हैं जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में भी स्पष्ट था। शिवम दुबे ने मध्यक्रम में उम्मीद के मुताबिक बल्लेबाजी नहीं की है और यह देखना दिलचस्प होगा कि वह चतुर लेग स्पिनर राशिद के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं। भारत के इस मैच में बिना किसी बदलाव के उतरने की संभावना है। हालांकि टीम के पास लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं जो इंग्लैंड के फिल सॉल्ट, जोस बटलर, हैरी ब्रूक और जॉनी बेयरस्टो जैसे दाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ उपयोगी साबित हो सकते हैं। चहल को इस प्रतियोगिता में अब तक एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला है और आगे भी ऐसा ही रहने की उम्मीद है क्योंकि भारत के रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप की स्पिन तिकड़ी को ही मौका देने की उम्मीद है। कुलदीप सुपर आठ में टीम के लिए तुरुप का इक्का साबित हुए। जसप्रीत बुमराह शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं और इंग्लैंड को उनके खिलाफ रन बनाने के लिए कुछ खास करना होगा। हार्दिक पंड्या ने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से प्रभावित किया है और टीम को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन को जारी रखने की उम्मीद होगी। दूसरी ओर इंग्लैंड का अभियान उतार-चढ़ाव भरा रहा। वे सुपर आठ में दक्षिण अफ्रीका से हार गए लेकिन फिर उन्होंने चीजें बदल दी। कप्तान बटलर ने इंग्लैंड के अंतिम सुपर आठ मैच में रन बनाए और भारतीय आक्रमण से परिचित होने के कारण वह मैच का रुख बदलने वाली पारी खेलने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। उनके सलामी जोड़ीदार सॉल्ट बहुत जल्दी खेल को विरोधी टीम से दूर ले जा सकते हैं और भारत को उन्हें पावरप्ले में आउट करना होगा। जॉनी बेयरस्टो और मोईन अली से अधिक रन की उम्मीद है। मोईन की ऑफ स्पिन भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ उपयोगी हो सकती है। लेग और ऑफ स्पिन दोनों करने वाले लियाम लिविंगस्टोन भी अपने कोटे के पूरे ओवर फेंक सकते हैं जैसा कि उन्होंने अमेरिका के खिलाफ किया था। रशिद के चार ओवर भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले में निर्णायक साबित हो सकते हैं। चोट से वापसी के बाद अपनी पहली बड़ी प्रतियोगिता में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने अब तक सात मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है और वह नई गेंद से रोहित और कोहली को परेशान करने के लिए खुद को तैयार करेंगे।

पिछले मैच में हैट्रिक लेने के बाद क्रिस जोर्डन का आत्मविश्वास भी सातवें आसमान पर होगा। सेमीफाइनल से पहले और मैच के दिन बारिश की संभावना को देखते हुए खेल प्रभावित हो सकता है।

भारत का अब तक प्रदर्शन

भारतीय टीम अभी तक टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारी है। ग्रूप राउंड में आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका को हराया। कनाडा के खिलाफ मैच बारिश की वजह से नहीं हो पाया। सुपर-8 में टीम इंडिया ने अफगानिस्तान, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया पर जीत हासिल की।

इंग्लैंड का अब तक प्रदर्शन

ग्रूप राउंड में स्कॉटलैंड के खिलाफ बारिश की वजह से इंग्लैंड का मैच रद्द रहा और फिर उसे ऑस्ट्रेलिया से हार मिली। टीम पर बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था। लेकिन ओमान और नामीबिया के खिलाफ बड़ी जीत से नेट रन रेट बेहतर हो गया। सुपर 8 में वेस्टइंडीज और अमेरिका के खिलाफ इंग्लैंड को जीत मिली तो साउथ अफ्रीका ने उसे हराया।

टीम इस प्रकार हैं

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज।

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान), मोईन अली, जोफ्रा आर्चर, जॉनी बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स,क्रिस जोर्डन,लियाम लिविंगस्टोन,आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, रीस टॉपले और मार्क वुड।

इंग्लैंड को मात देने के लिए भारत को क्या करना पड़ेगा

आदिल रशीद पर अटैक

लेग स्पिनर आदिल रशीद टी20 में इंग्लैंड के प्रमुख खिलाड़ी हैं। 2022 के सेमीफाइनल में भी उन्होंने सिर्फ 20 रन देकर सूर्यकुमार यादव का विकेट ले लिया था। यही वजह है कि अगर भारतीय टीम को इंग्लैंड से बदला लेना है तो सबसे पहले आदिल रशीद पर अटैक करना पड़ेगा।

पावरप्ले में कम से कम दो विकेट

बैटिंग में इंग्लैंड की सबसे बड़ी ताकत उनका टॉप ऑर्डर है। जोस बटलर और फिल साल्ट बेहतरीन लय में चल रहे हैं। वहीं मध्यक्रम में कोई छाप नहीं छोड़ पाया है। यही वजह है कि टीम इंडिया इंग्लैंड को पावरप्ले में कम से कम दो झटके देना चाहेगी। ऐसा हुआ तो इंग्लैंड के लिए वापसी करना आसान नहीं होगा।

स्पिन गेंदबाजों का उठाए फायदा

इंग्लैंड के बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजी के खिलाप कमजोर होते हैं। भारतीय टीम को इसका भी फायदा उठाना होगा। भारत के पास कुलदीप यादव के साथ ही अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा है। उन्हें इंग्लैंड को बैटिंग को बांधकर रखने की जरूरत है।

पहली बार फाइनल में जगह बनाने उतरेगी साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान

त्रिनिदाद,26 जून 2024। इतिहास रचने वाले अफगानिस्तान का सामना टी20 टी20 वर्ल्ड कप 2024 के पहले सेमीफाइनल में सदाबहार दक्षिण अफ्रीका से होगा। मुकाबला परिणाम का परिणाम भले ही कुछ भी हो लेकिन यह मैच ऐतिहासिक होगा। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने टूर्नामेंट में अपने सातों मैच जीते हैं। दूसरी अफगानिस्तान ने देश में युद्ध की तबाही से ऊपर उठी और संघर्ष के जज्बे की बदौलत 2021 के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को भी शिकस्त दी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसे पहले कभी जीत नहीं मिली थी।

बिना बदलाव के उतर सकती है अफगानिस्तान

अफगानिस्तान के शानदार प्रदर्शन के कई नायक हैं। कप्तान राशिद खान ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है, तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी और नवीन उल हक ने टीम को शुरुआती सफलताए दिलाई, गुलबदिन नायब ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चमत्कारिक स्पेल डाला जबकि मोहम्मद नबी ने भी शानदार प्रदर्शन किया। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज 281 रन के साथ टूर्नामेंट के सबसे सफल बल्लेबाज जबकि फारूकी 16 विकेट के साथ सबसे

सफल गेंदबाज हैं। यह अपने आप में एक कहानी बयां करता है कि कैसे अफगानिस्तान के दो खिलाड़ी कुछ बड़े नामों को पीछे छोड़कर आंकड़ों की तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए। अफगानिस्तान सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हीं 11 खिलाड़ियों के साथ उतर सकती है जिन्हें उसने ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के खिलाफ मौका दिया था।

अफगानिस्तान की संभावित प्लेइंग इलेवन

रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेट कीपर), इब्राहिम जदरान,गुलबदीन नायब, अज़मतुल्लाह उमरज़ई,मोहम्मद नबी, करीम जनत, नांगेयालिया खरोटे, राशिद खान (कप्तान),नूर अहमद,नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी।

ओटनील बार्टमैन को मिलेगी जगह?

साउथ अफ्रीका क्रिकेट की सबसे मजबूत टीमों में एक मानी जाती है। इसके बाद भी आज तक वह वनडे या टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल तक नहीं पहुंची है। चोकर कहे जाने वाली इस टीम ने इस टूर्नामेंट में सभी 7 मैच जीते हैं। इसमें कई जीत तो करीबी भी रहे। टीम ने टूर्नामेंट में एक रन (नेपाल के खिलाफ), चार रन (बांग्लादेश के खिलाफ) और तीन विकेट (वेस्टइंडीज के खिलाफ) से मुकाबले जीते हैं। ओटनील बार्टमैन ने टीम के लिए कमाल की गेंदबाजी की है। लेकिन पिछले मैच में उनकी जगह खेले तबरेज शम्सी ने प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता था। इस मैच में भी शम्सी को ही मौका मिलने की उम्मीद है।

साउथ अफ्रीका की संभावित प्लेइंग इलेवन-

रीजा हेंड्रिक्स, क्विंटन डी कॉक (विकेट कीपर), एडेन मार्करम (कप्तान), हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को जेनसन, केशव महाराज, कागिसो रबाडा, एनरिक नॉर्टजे, तबरेज शम्सी।

समय और मैदान: अफगानिस्तान और साउथ अफ्रीका के सेमीफाइनल भारतीय समयानुसार गुरुवार 27 जुलाई सुबह छह बजे से ब्रायन लारा स्टेडियम पर खेला जाएगा।

ओलंपिक स्थान के लिए राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैम्पियन -शिप में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे भारतीय एथलीट

नई दिल्ली,26 जून 2024। ओलंपिक भाला फेंक चैम्पियन नीरज चोपड़ा की अनुपस्थिति में भारत के शीर्ष ट्रैक और फील्ड एथलीट गुरुवार से यहां शुरू होने वाली राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैम्पियनशिप के दौरान पेरिस ओलंपिक स्थान हासिल करने के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। यह चार दिवसीय चैम्पियनशिप आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होगी। सात जुलाई को होने वाली पेरिस डायमंड लीग में बहुत कम दिन बचे हैं तो चोपड़ा पंचकुला में हिस्सा नहीं लेंगे। उन्होंने पिछले महीने भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में हिस्सा लिया था और स्वर्ण पदक जीता था। पिछले महीने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने यह स्पष्ट कर दिया था कि पेरिस ओलंपिक के लिए चुने जाने के लिए चोपड़ा को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैम्पियनशिप में भाग लेना अनिवार्य होगा। एएफआई के नियमों के अनुसार ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल जैसे टूर्नामेंट के लिए चुने जाने के लिए सभी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैम्पियनशिप में भाग लेना होगा। महासंघ विशेष खिलाड़ियों या उनके कोचों के अनुरोध पर छूट दे सकता है। चोपड़ा की अनुपस्थिति में अविनाश साबले (पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज), किशोर जेना (पुरुषों की भाला फेंक), राम बाबू (पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल) और पारुल चौधरी (महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज) चैम्पियनशिप में सुर्खियों में रहेंगे जिन्होंने क्वालीफाइंग मानक हासिल कर पेरिस ओलंपिक के लिए स्थान पक्का कर लिया है।

ज्योति याराजी (महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़), अन्नू रानी (महिलाओं की भाला फेंक), डीपी मनु (पुरुषों की भाला फेंक), तेजिंदरपाल सिंह तूर (पुरुषों की गोला फेंक), जेस्विन एल्ड्रिन (पुरुषों की लंबी कूद),प्रवीण चित्रवेल और अब्दुल्ला अबूबाकर (दोनों पुरुषों की त्रिकूद) जैसे खिलाड़ी विश्व रैंकिंग कोटा के जरिये पेरिस का टिकट कटा सकते हैं। एशियाई रिकॉर्ड धारी तूर ने मंगलवार को 'पीटीआई' को बताया कि उनके टखने में हल्का दर्द है और उनके डॉक्टर ने उन्हें तीन-चार हफ्तों तक गोला फेंकने से मना किया है। पर उनका नाम बुधवार को एएफआई की अपडेट की गई प्रवेश सूची में शामिल है।

कुछ उभरते सितारे जैसे धावक अनिमेष कुजूर, 110 मीटर बाधा दौड़ के तेजस शिरसे और लंबी कूद की खिलाड़ी शैली सिंह भी चुनौती पेश करते नजर आयेंगे। पेरिस ओलंपिक स्थान पक्का करने वाली भारतीय पुरुष और महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम का लगभग हर सदस्य हिस्सा लेगा। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारी 20 किमी पैदल चाल खिलाड़ी अक्षदीप सिंह पेरिस खेलों का क्वालीफाइंग मार्क पार कर चुके हैं लेकिन उनका नाम प्रवेश सूची में शामिल नहीं है। महिलाओं की 20 किमी पैदल चाल की राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रियंका गोस्वामी ने भी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है

जब तक गिड़गिड़ाओ नहीं,कोई मदद नहीं करता

अजय देवगन और अक्षय कुमार को लेकर बोलीं रिमी सेन

रिमी सेन ने बताया है कि वह को-स्टार्स अक्षय कुमार और अजय देवगन के संपर्क में नहीं हैं। रिमी ने कहा कि उन्हें अपना टैलेंट बेचना नहीं आया और कॉमेडी रोल्स करके थक गई थीं।रिमी सेन के मुताबिक, फायदे के बिना फिल्म इंडस्ट्री में आपकी कोई मदद नहीं करता है। हंगामा, धूम, फिर हेरा फेरी और गोलमाल जैसी फिल्मों से धमाल मचाने वालीं एक्ट्रेस रिमी सेन पिछले कई साल से एक्टिंग से दूर हैं। उन्होंने लेटेस्ट इंटरव्यू में इसके बारे में बात की और साथ ही बताया कि वह को-स्टार्स अजय देवगन और अक्षय कुमार के भी टच में नहीं हैं। रिमी सेन ने यह भी कहा कि जब तक गिड़गिड़ाओ नहीं, तब तक इंडस्ट्री में काम नहीं मिलता। रिमी सेन की पिछली फिल्म साल 2011 में आई थी शागिर्द और

तबसे उन्होंने किसी फिल्म में एक्टिंग नहीं की है। यही नहीं, वह पब्लिक इवेंट्स या किसी अवॉर्ड शो में भी नजर नहीं आतीं। मैं कॉमेडी फिल्में कर-करके के थक गई थी। मेरे लिए ज्यादा रोल नहीं हुआ करते थे। मेरा सिर्फ फनीचर का रोल होता था। कुछ फिल्मों में मेरा अच्छा रोल था, जैसे हंगामा और जॉनी गद्दार। लेकिन जॉनी गद्दार नहीं चली, और मैं वैसा ही काम करना चाहती थी। रिमी सेन ने सलमान खान के शो बिग बॉस से कमबैक करने की कोशिश की थी, पर सफल नहीं रहीं। वह फिल्म प्रोड्यूसर बन गईं और मूवी प्रोड्यूस की। रिमी सेन ने अक्षय कुमार और अजय देवगन संग काम किया, पर कहा कि वह उनके संपर्क में नहीं हैं। वह बोलीं, मैं किसी से मदद नहीं मांग सकती। जब तक गिड़गिड़ाओ नहीं, हेल्प नहीं मिलती। भला बाकी लोग अपना फायदा क्यों नहीं देखेंगे? कोई क्यों खुद से आगे बढ़कर आपकी मदद करेगा?

जब सबा आजाद,अनुष्का और दीपिका को आंका गया उनके पार्टनर के दम पर

किसी का मोहताज नहीं औरतों का करियर

ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड सबा आजाद ने बताया था कि उनके साथ रिलेशनशिप की वजह से उन्हें वॉइस ओवर का काम मिलना बंद हो गया। सबा इस बात से हैरान थीं। वहीं दीपिका पादुकोण और अनुष्का शर्मा ने भी ऐसा ही कुछ झेला है, जब उनकी मेहनत का मजाक उड़ाते हुए सारा श्रेय उनके पार्टनर को देने की कोशिश की गई।

ऐक्टर-सिंगर और सुपरस्टार ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड सबा आजाद की एक पोस्ट हाल ही में खूब चर्चा में रही जहां उन्होंने खुलासा किया कि ऋतिक के साथ रिश्ते की वजह से उन्हें वॉइस ओवर का काम मिलना बंद हो गया। वो इसलिए कि इंडस्ट्री वालों ने खुद-ब-खुद तय कर लिया कि ऋतिक जैसे सुपरस्टार की गर्लफ्रेंड वॉयस ओवर जैसा काम नहीं करेगी। सबा के लिए यह सच दंग करने वाला था कि आखिर हम किस पुरातनपंथी जमाने में जी रहे हैं, जहां लड़की का करियर उसके पार्टनर की हैसियत से जज किया जा रहा है। सबा ने हैरत जताते हुए लिखा कि एक औरत का सफल आदमी के साथ रिलेशनशिप में होने का मतलब ये नहीं है कि उसका अपना वजूद, काम, करियर अहम नहीं रहा। लेकिन क्या करें सबा, यह पितृसत्तात्मक सोच हमारे समाज की कड़वी सचाई है। जिस समाज में लंबे समय तक औरत सिर्फ किसी पिता की बेटी, पति की बीवी और बेटे की मां की रही हो, वहां अब भी यह स्वीकार कर पाना आसान नहीं है कि ये आज की औरतें हैं, उनकी पहचान और पेशा उनके पति या पार्टनर का मोहताज नहीं।

पार्टनर नहीं तय करता मेरा वजूद

ऋतिक को डेट करने के बाद पिछले दो साल से वॉइस ओवर का काम न पाने वाली सबा ने दुख जताते हुए लिखा,ये बड़े अफसोस की बात है कि आज भी हम उसी अंधेरे युग में जी रहे हैं, जहां हम ये मान लेते हैं कि अगर कोई महिला किसी सफल व्यक्ति के साथ रिलेशनशिप में है तो उसे अपने लिए दो वक्त की रोटी कमाने या अपने बिल्स खुद भरने की ज़रूरत

नहीं है। अपने काम पर गर्व करने या अपनी और अपने परिवार की देखभाल करने की ज़रूरत नहीं है। ये कैसी पुरातन मानसिकता है? सबा ने ऐसी पिछड़ी सोच वाले लोगों को सीख भी दी कि भई, जागो। जमाना बदल गया है, जब दो मजबूत, आत्मनिर्भर लोग रिश्ते में बंधते हैं तो उन्हें अपनी पहचान,ज़िंदगी और करियर छोड़ने की ज़रूरत नहीं होती। वे अपना व्यक्तित्व बनाए रखते हैं लेकिन जमाने को ये बात समझ ही कहां आती है? खासकर औरत के मामले में। उनके लिए औरत का वजूद मर्द से अलग हो ही नहीं सकता। उन्हें यही लगता है कि मर्द ही मुखिया होता है तो महिला के करियर से जुड़े फैसले उसके रहमोकरम पर चलते हैं। तभी तो औरतों से अक्सर कहा जाता है कि ओह, आपके पति ने लेट नाइट शिफ्ट के लिए परमिशन दे दी? आपको बाहर जाने की इजाजत दे दी है? वे यह नहीं सोचते कि एक रिश्ते में पति-पत्नी बराबर हैं, मालिक और मातहत नहीं।

दीपिका-अनुष्का की मेहनत का मजाक

यही नहीं, रिश्ते में औरत को कम आंकना भी जमाने की फितरत है, फिर वो अपने पति या पार्टनर से ज्यादा काबिल या सफल ही क्यों न हो। इसका शिकार दीपिका पादुकोण और अनुष्का शर्मा जैसी सफलतम अदाकाराएं भी हुई हैं। दीपिका जब फिल्म छपाक से खुद निर्माता बनीं तो एक मर्दवादी पत्रकार ने बड़ी बेतकल्लुफी ने कह दिया कि उनके पति रणवीर सिंह भी इसके प्रड्यूसर हुए क्योंकि घर का पैसा लगा है। इस पर दीपिका ने खुलेआम उस पत्रकार को झाड़ा कि आपको ये ज्ञान किसने दिया। ये मेरे खुद के पैसे हैं। मेरी मेहनत है। इसी तरह, एन एच 10 जैसी सफल फिल्म से इंडस्ट्री की सबसे युवा महिला निर्माता बनीं अनुष्का शर्मा की दूसरी फिल्म फिल्लौरी में उनके तब बॉयफ्रेंड और अब पति विराट कोहली के पैसे लगे होने की खबरें उड़ीं तो अनुष्का ने भी लंबा चौड़ा पोस्ट लिख कर ऐसी अफवाह उड़ाने वालों को खूब लताड़ा था।मेरी उस कड़ी मेहनत का भी मजाक उड़ा रहे हैं, जिसके दम पर मैं यहां तक पहुंची अनुष्का ने लिखा,ऐसे बोगस दावे करके आप न केवल मेरी बेइज्जती कर रहे हैं बल्कि मेरी उस कड़ी मेहनत का भी मजाक उड़ा रहे हैं, जिसके दम पर मैं यहां तक पहुंची हूं। मैं अपनी फिल्में खुद बनाने का माद्दा रखती हूं। आपके लिए शायद यकीन करना मुश्किल है कि एक लड़की अपने पैरों पर खुद खड़ी हो सकती है और अपनी जिंदगी में कुछ मीनिंगफुल कर सकती है। सही बात है, हमारे पुरुषवादी समाज को यह बात कहां पचती कि इतनी कम उम्र की एक लड़की प्रड्यूसर बन गई तो उन्होंने श्रेय देने के लिए एक मर्द का कंधा तलाश लिया। बिजनेस छोड़िए, एक महिला पत्रकार से एक अंकल ने पूछा कि आपके पति क्या करते हैं? महिला ने कहा- राइटर हैं। इस पर अंकल तपाक से बोले- फिर तो तुम्हारी आधी खबरें वही लिख देते होंगे? महिला पत्रकार सन्न रह गई- हलो, शादी 5 साल पहले हुई है, पत्रकार मैं 12 साल से हूं। पति क्यों लिखेंगे मेरे आर्टिकल? और आपको ये कैसे लग गया कि वो मुझसे बेहतर लिखते होंगे? शायद मैं उनकी कहानियां लिखती होऊंगी पर नहीं, औरतों की मेहनत का मजाक बनाना तो हमारे लिए आम बात है। जबकि, जरूरी यह है कि लोग अपनी ये सोच बदलें और महिलाओं को एक इंडिविजुअल के तौर पर सम्मान देना, उनके हुनर की कद्र करना सीखें।

तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा क्यों अलग हो गए

बिग बॉस 15 में प्यार में पड़ने के बाद डेटिंग शुरू करने वाले तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा ने हाल ही में कथित तौर पर ब्रेकअप कर लिया है। नई रिपोर्ट के अनुसार, वे जल्द ही अपने ब्रेकअप की घोषणा नहीं करेंगे। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि करण और तेजस्वी ने एक महीने पहले तीन साल के रिश्ते के बाद अपने रास्ते अलग कर लिए,लेकिन इसे गुप्त रखा गया। जोड़े के एक करीबी सूत्र ने कहा कि उनके बीच कुछ समय से छोटी-मोटी अनबन चल रही थी, जिसके कारण उन्होंने अलग होने का फैसला किया। सूत्र के अनुसार,उनके अलग होने का असली कारण अभी भी अज्ञात है।

सूत्र ने कहा, करण और तेजस्वी अब एक-दूसरे को डेट नहीं कर रहे हैं। उनके अलग हुए एक महीने से अधिक समय हो गया है। भले ही उनके ब्रेकअप का कारण पता नहीं चल पाया है, लेकिन मुझे बस इतना पता है कि वे पिछले कुछ समय से एक-दूसरे के साथ छोटी-मोटी लड़ाइयाँ कर रहे हैं। करण और तेजस्वी को जानने वाले एक अन्य अंदरूनी सूत्र ने बताया कि उन्होंने अपने ब्रेकअप को सार्वजनिक नहीं किया है क्योंकि उन्हें तीन साल से उनके प्रशंसक पावर कपल के रूप में देख रहे हैं। उनके प्रशंसकों के लिए इस खबर को स्वीकार करना मुश्किल होगा।

कैबिनेट विस्तार को लेकर अटकलें तेज

» दिल्ली से रायपुर लौटे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय...

रायपुर,26 जून 2024(ए)। आज सुबह दो दिवसीय दिल्ली दौरे के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रायपुर लौट आए है। इस दौरान स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री साय मीडिया से चर्चा की। उन्होंने चर्चा के दौरान कैबिनेट विस्तार पर कुछ खास नहीं कहा, मगर उनके दिल्ली से लौटते ही मंत्रिमंडल में नए नामों को लेकर लोगों की उत्सुकता बढ़ गई है।

विष्णुदेव कैबिनेट में इस वक्त मंत्रियों के दो पद खाली हैं। इनमें से एक के लिए दुर्ग विधायक गजेंद्र यादव का नाम सबसे उपर बताया जा रहा है। इसके साथ ही यह भी चर्चा में है कि गजेंद्र यादव का मंत्री बनना लगभग तय है।गजेंद्र छत्तीसगढ़ आरएसएस के पुराने प्रमुख बिसरा राम यादव के बेटे हैं। छत्तीसगढ़ में यादवों के वोट बैक और विधायकों की संख्या को देखते बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व ने तय किया है कि यादव समाज से एक मंत्री बनाया जाना चाहिए।

छत्तीसगढ़ की राजनीति में यादवों का प्रभाव शुरू से रहा है। राज्य बनने से पहले बिलासपुर के कांग्रेस नेता बीआर यादव 16 साल तक अर्जुन सिंह और दिग्विजय सिंह मंत्रिमंडल में रहे। एक समय बीआर यादव दिग्विजय सिंह के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गए थे। राज्य बनने के बाद अजीत जोगी सरकार के दौरान रामानुजलाल यादव को काफी महत्व दिया गया। जोगी ने उन्हें माईनिंग कारपोरेशन का अध्यक्ष बनाया था। इसके बाद रमन सरकार में दुर्ग के ही हेमचंद यादव मंत्री रहे।

दूसरी कुर्सी के लिए इन नामों के लिए चर्चा तेज

मंत्री बनने के लिए दुर्ग के गजेंद्र यादव का एक नाम पक्का माना जा रहा है। छत्तीसगढ़ की राजनीति में यादवों का प्रभाव शुरू से रहा है। राज्य बनने से पहले बिलासपुर के बीआर यादव 16 साल तक अर्जुन सिंह और दिग्विजय सिंह मंत्रिमंडल में रहे। एक समय बीआर यादव दिग्विजय सिंह के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गए थे। राज्य बनने के बाद अजीत जोगी सरकार के काफी महत्व दिया गया। जोगी ने उन्हें माईनिंग कारपोरेशन का अध्यक्ष बनाया था। इसके बाद रमन सरकार में दुर्ग के ही हेमचंद यादव मंत्री रहे। सो, मंत्री बनने के लिए दुर्ग के गजेंद्र यादव का एक नाम पक्का माना जा रहा है। दूसरी कुर्सी के लिए जिन नामों की चर्चा है उनमें अमर अग्रवाल, अजय चंद्राकर, राजेश मूणत और लता उसेंडी शामिल हैं।

अरुण देव गौतम,हिमांशु गुप्ता बनेंगे डीजी

» पवन देव-कल्लूरी पर सस्पेंस...

» गौतम बनाए जा सकते हैं नए डीजीपी...

रायपुर,26 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ पुलिस महकमें में दो नए डीजी जल्द ही बनाए जाएंगे। भारतीय पुलिस सेवा के अफसरों के प्रमोशन को लेकर डीपीसी हुई, जिसमें अरुण देव गौतम और हिमांशु गुप्ता को डीजी बनाए जाने की सहमति बनी है। फाइल गृह विभाग को भेज दी गई, जिसमें अभी तक हस्ताक्षर नहीं हुआ है। इसके अलावा दो और सीनियर आईपीएस पवन देव और एसआरपी कल्लूरी का नाम भी इस सूची में है, लेकिन उनके प्रमोशन को लेकर अभी सस्पेंस बरकरार है। पवन देव और कल्लूरी के डीजी प्रमोट करने की संभावना बहुत कम है। अभी दो अफसरों को ही प्रमोशन देने की चर्चा है। बाकी दो के प्रमोशन का ऑर्डर लिफाफे में बंद किया जा सकता है। 5 अगस्त को डीजीपी अशोक जुनेजा रिटायर हो रहे हैं। ऐसे में अरुण देव गौतम का नाम डीजीपी बनाने की लिस्ट में टॉप पर है। 1992 बैच के दो अफसर पवन देव और अरुण देव गौतम के अलावा 1994 बैच के दो अफसर हिमांशु गुप्ता और एसआरपी कल्लूरी ने डीजी बनने की 30 साल की सेवा की मियाद पूरी कर ली है। पवन देव और अरुण देव दो साल से प्रमोशन का इंतजार कर रहे हैं। पदोन्नति की पात्रता रखने वाले ये चारों अधिकारी वर्तमान में एडीजी के पद हैं। डीजी प्रमोशन पाने के बाद किसी एक को डीजीपी और एक को स्पेशल डीजी बनाया जाएगा।

प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद से डीजीपी अशोक जुनेजा को हटाए जाने की चर्चा तेज हो गई थी, लेकिन यूपीएससी से दो साल की नियमित नियुक्ति मिलने की वजह से उन्हें कंटीन्यू किया गया। नए अफसरों को प्रमोशन दिए जाने के बाद पीएचक्यू में फेरबदल होना तय माना जा रहा है। वर्तमान में पवन देव छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन (सीजीपीएचसी), अरुण देव गौतम गृह विभाग के सचिव, हिमांशु गुप्ता मुख्यालय में एडीजी प्रशासन और एसआरपी कल्लूरी पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में पदस्थ हैं।डीजीपी बनने की रेस में प्रदेश के पांच आइपीएस अफसरों का नाम प्रमुख रूप से लिया जा रहा है। इनमें से अरुण देव गौतम को मौका मिल सकता है। 1992 बैच के अरुण देव गौतम सितंबर 2027 में सेवानिवृत होंगे। लंबे कार्यकाल को देखते हुए पुलिस मुखिया बनाने पर विचार किया जा रहा है।

बलौदाबाजार हिंसा में कांग्रेस का हाथ

अरुण साव का बड़ा दावा

रायपुर,26 जून 2024(ए)। बलौदाबाजार घटना को लेकर पीड़ितों के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने बलौदाबाजार घटना को अंजाम देने का काम किया है। घटना में कांग्रेस पार्टी की भूमिका सार्वजनिक हो चुकी है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मीडिया से चर्चा में राहुल गांधी के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष चुने जाने पर कहा कि राहुल गांधी सकारात्मक विपक्ष की भूमिका नहीं निभा पाएंगे। सभी को अपने राजनैतिक दल के नेता चुनने का अधिकार है। नेता प्रतिपक्ष बनने पर राहुल गांधी को बधाई। प्रतिपक्ष की सकारात्मक भूमिका होती है, लेकिन जिस प्रकार की राजनीति इन्होंने की है, मुझे नहीं लगता है कि वो निभा पाएंगे प्रदेश में आज मनाए जाने वाले शाला प्रवेशोत्सव को लेकर अरुण साव ने कहा कि सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। आज से शाला प्रवेशोत्सव की शुरुआत हो रही है। नये प्रवेशी विद्यार्थियों का विद्यालय में स्वागत है. हमारी सरकार अच्छी और गुणवत्ता पूर्व शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री के साप्ताहिक जनदर्शन को लेकर अरुण साव ने कहा कि जनदर्शन में लोग अपनी समस्याएं लेकर आते हैं, उनकी बातें सुनी जाती है, समस्याओं का निदान होता है। इससे लोगों को बड़ा फ़ायदा होता है। मंत्रिपरिषद के अयोध्या दर्शन पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत ही शीघ्र तिथियां निर्धारित होंगी. सभी रामलला के दर्शन के लिए जाएंगे। आरंग में गौ रक्षकों पर एकपक्षीय कार्यवाई को लेकर बजरंग दल के आज जेल भरो आंदोलन पर अरुण साव ने कहा कि सरकार अपनी ज़िम्मेदारी का निर्वहन कर रही है। सभी संगठनों को लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार है। क़ानून व्यवस्था को ध्यान में रखकर सभी अपनी भूमिका बना सकते हैं।

भूपेश बघेल को रिश्तेदार बताने वाला पंकज वर्मा अब पहुंचा योग आयोग

» भ्रष्टाचार के आरोपी को होना था सस्पेंड,वह सरकार से ले रहा पदोन्नति...

» उल्टा बांस बरेली वाली कहावत लागू है छत्तीसगढ़ में...

» पुलिस से सांठगांठ केस खात्मे का कोर्ट में लगवाया आवेदन, अब कोर्ट लेगी संज्ञान...

» पंकज नाम का फायदा उठाकर भूपेश का खास अब साय का भी बन गया खास...

» अपर संचालक पंकज वर्मा के खिलाप फर्जी सर्टिफिकेट केस में हो चुका है एफआईआर...

» सस्पेंड होने के बदले पदोन्नति ये कैसे हुआ पुलिस ने कार्रवाई के नाम पर की खानापूर्ति...

रायपुर,26 जून 2024(ए)। पिछले दिनों सभी अखबारों की सुर्खिया में बना रहा समाज कल्याण विभाग के अपर संचालक पंकज वर्मा के कारनामे, जो अपने आप को भूपेश बघेल का रिश्तेदार होने का स्वांग रचा और फर्जी सर्टिफिकेट के जरिये सरकारी नौकरी हथिया लिया और तो और अधिकारियों को बघेल का रिश्तेदार होने का झूठी बात प्रचारित कर प्रमोशन भी पा लिया। अब उसी फर्जीवाड़े को दोहरा कर लोगों बता रहा है कि मैं सीएम साय का खास हूं। अब सवाल यह भी उठता है प्रमोशन के लिए किसी नेता-अभिनेता का रिश्तेदार होना जरुरी है या नहीं? यदि आपमें योग्यता है तो आपको प्रमोशन मिलना तय है। मगर यहां मामला कुछ और ही है संस्कृति विभाग में फर्जी सर्टिफिकेट से भर्ती होकर संस्कृति विभाग के सारे हथकंड़े सीख कर सरकार के सामने सरकार के मुखिया के खास होने का ढोंग करना पंकज के आदत में शुमार हो चुका है, और उसके आड़ में सरकार बदलते ही रंग बदल रहा है क्योंकि वह मूल रूप से रंगमंच का कलाकार रहा है जो नाचा पार्टी में जोकर बनता था, उसके एक्शन को लोग खूब शबाशी देते थे, और बख्शीस भी मिलता था।

स्टील कंपनियों को नोटिस

एनएचएआई ने माँगा जवाब

रायपुर,26 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ की चार बड़ी स्टील कंपनियों श्री बजरंग पॉवर एंड इस्पात, हीरा स्टील, श्री नाकोड़ा और एमएसपी स्टील एंड पॉवर को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने नोटिस जारी किया है. इन कंपनियों ने एनएचएआई के अलग-अलग प्रोजेक्ट में स्टील मटेरियल सप्लाई किया था। जो गुणवत्ता मानकों में खरे नहीं उतरे, जिसके बाद कंपनियों को शोकाज नोटिस जारी कर 15 दिन के भीतर जवाब मांगा है।एनएचएआई के नोटिस के तहत श्री बजरंग पॉवर एंड इस्पात कंपनी को महाराष्ट्र में सिक्स लेन रोड के काम में टीएमटी सप्लाई का काम मिला था। हीरा स्टील को मध्यप्रदेश में एनएच 146 में टीएमटी सप्लाई का काम मिला था. नाकोडा इस्पात को तमिलनाडु के एनएच 45 सी के निर्माण के लिए टीएमटी बार सप्लाई करना था। रायगढ़ की एमएसपी स्टील को कर्नाटक में एनएच 169 के तहत भारतमाला प्रोजेक्ट के लिए टीएमटी सप्लाई का काम मिला था। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने देशभर की 11 कंपनियों को नोटिस जारी किया है. इनमें छत्तीसगढ़ की चार कंपनियां भी शामिल हैं, जिन्हें भेजे नोटिस में सवाल किया गया है कि आपके इन गुणवत्ताहीन मटेरियल सप्लाई करने पर क्यों न आपके फर्म को सप्लाई के मिले अधिकार को सस्पेंड कर दिया जाए।

शिक्षा विभाग की शिक्षकों पर बड़ी कार्रवाई

» 5 शिक्षकों को किया बर्खास्त...

» 11 की सेवा समाप्ति की अनुशंसा...

» 9 के खिलाफ विभागीय जांच...

बिलासपुर,26 जून 2024(ए)। जिले में स्कूलों से लंबे समय से गैरहाजिर 5 शिक्षकों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। वहीं जिला शिक्षा कार्यालय से ऊपर के नियोक्ता वाले 11 शिक्षकों के विरूद्ध सेवा समाप्ति की अनुशंसा की गई है। इसके अलावा नौ शिक्षकों के विरूद्ध विभागीय जांच भी की जायेगी।

सालों से ड्यूटी से हैं नदारद

कलेक्टर अवनीश शरण के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी ने बर्खास्तगी के आदेश जारी किए है। वहीं अन्य नियोक्ता वाले शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए अनुशंसा की गई है। गौरतलब है कि राज्य शासन ने अपने कर्तव्य से अनुपस्थित सरकारी कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए है। आदेश पर अमल करते हुए अकेले शिक्षा विभाग में लंबे समय से अनुपस्थित 25 शिक्षक और कर्मचारियों की पहचान की गई। और तत्परतापूर्वक उनके विरूद्ध कार्रवाई की गई।

3 साल से ज्यादा अनुपस्थित हैं तो बर्खास्तगी तय

जिला शिक्षा अधिकारी श्री टीआर साहू ने बताया कि तीन वर्ष से ज्यादा समय से अनुपस्थित रहने वालों की सेवा समाप्ति एवं तीन साल से कम अवधि वालों के विरूद्ध विभागीय जांच की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि डीईओ कार्यालय द्वारा बर्खास्त किए गए शिक्षकों एवं कर्मचारियों में श्रीमती मनोरमा तिवारी प्रधान पाठक, शासकीय प्राथमिक शाला रिसदा, श्रीमती किरण यादव, सहायक शिक्षक, शासकीय प्राथमिक शाला सफेद खदान, श्री बसंत कुमार लकड़ा, सहायक शिक्षक, शासकीय प्राथमिक शाला ओखर एवं सुश्री मेघा यादव, सहायक शिक्षक, शासकीय प्राथमिक शाला परसापानी एवं श्री

स्टेनली मार्क एक्का भृत्य,शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला तिफरा शामिल है।

इन व्याख्याता और शिक्षकों पर गाज गिरना तय

उन्होंने बताया कि डीईओ कार्यालय के अलावा अन्य नियोक्ता वाले 11 शिक्षकों की सेवा समाप्ति की अनुशंसा की गई है। इनमें जिनकी कार्रवाई डीपीआई स्तर से कार्रवाई होनी है, उनमें श्रीमती अल्का महतो, व्याख्याता शासकीय हाई स्कूल फरहदा एवं श्री हरीराम पटेल, व्याख्याता, शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला भटचौरा शामिल हैं। संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षा विभाग को भेजे गये नामों में श्रीमती रेणुका राय, शिक्षक,शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मटियारी एवं श्री दिव्यनारायण रात्रे शिक्षक एलबी शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला जुनवानी शामिल हैं। इसी प्रकार जिला पंचायत एवं जनपद पंचायतों को भेजे गये नामों में श्रीमती शारदा सिंह, व्याख्याता, शासकीय हाई स्कूल मोढ़े, श्री बत्तीलाल मीना, शिक्षक पंचायत, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बिल्लीबंद, श्रीमती नलिनी अग्रवाल, शिक्षक पंचायत, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला दर्रीघाट, अंकिता सिंह, सहायक शिक्षक पंचायत, शासकीय प्राथमिक शाला सेंदरी, श्रीमती रितु लोधी, सहायक शिक्षक पंचायत, शासकीय प्राथमिक शाला फोकटपारा बिल्हा, कृष्ण शरण तिवारी, सहायक शिक्षक पंचायत, शासकीय प्राथमिक शाला गोदईया, श्रीमती प्रेमलता पाण्डेय, सहायक शिक्षक पंचायत, शासकीय प्राथमिक शाला सोनसाय नवागांव कोटा एवं श्री राकेश पाण्डेय, सहायक शिक्षक पंचायत, शासकीय प्राथमिक शाला मनवा शामिल है।

इनकी हो रही है विभागीय जांच

जिन नौ शिक्षकों के विरूद्ध विभागीय जांच की गई है, उनमें डीईओ कार्यालय से संबद्ध यशवंत कुमार साहू सहायक शिक्षक एलबी प्राथमिक स्कूल डण्डासागर कोटा, मदनलाल श्यामले सहायक शिक्षक एलबी प्राथमिक शाला कुआंजति, शशिकांत यादव भृत्य माध्यमिक शाला सीस विकासखण्ड कोटा, राकेश मिश्रा सहायक शिक्षक एलबी प्राथमिक शाला बेलसरा एवं श्री अमन गिरी भृत्य पूर्व माध्यमिक शाला लावर शामिल हैं। इसी प्रकार विभागीय जांच के लिए जिनकी अनुशंसा की गई है उनके डीपीआई नियोक्ता से जुड़े शिव कुमार व्याख्याता एलबी हाई स्कूल बछालीखुर्द कोटा, संयुक्त संचालक नियोक्ता से संबद्ध श्री श्याम सुंदर तिवारी शिक्षक एलबी पूर्व माध्यमिक शाला सीपत, मस्तुरी, श्रीमती केकती कौशिक शिक्षक एलबी पूर्व माध्यमिक शाला महमंद तथा जनपद बिल्हा की स्थापना के अंतर्गत अंकिता सिंह सहायक शिक्षक पंचायत प्राथमिक शाला सेंदरी शामिल है।

नक्सलियों के पैसे से खरीदा ट्रैक्टर पुलिस ने किया जब्त

» कई नक्सल सहयोगी आये गिरफ्त में

राजनांदगांव,26 जून 2024(ए)। नक्सलियों द्वार वसूले गए लेव्ही के पैसे से खरीदे गए ट्रैक्टर को मोहला-मानपुर पुलिस ने जब्त किया है। पिछले दिनों कांकेर जिले के छोटे बेठिया में हुए मुठभेड़ में जेसीबी खरीदी का मामला सामने आया था। इसी तरह का मामला मोहला-मानपुर में भी पुलिस तक पहुंचा। काफी तफ्तीश के बाद पुलिस ने एक सड़क ठेकेदार,पंचायत सचिव,ट्रैक्टर कंपनी के एजेंट और ट्रैक्टर का संचालन कर रहे कुल चार सहयोगियों को गिरफ्तार किया है।

राजनांदगांव रेंज के आईजी दीपक झा और मोहला-मानपुर-अं. चौकी एसपी वाईपी सिंह ने मंगलवार दोपहर को एक प्रेसवार्ता में पुलिस की गिरफ्त में आए नक्सलियों के चार सहयोगियों को मीडिया के सामने पेश किया। सहयोगियों के बताए बयान के आधार पर आईजी और एसपी ने जानकारी देते बताया कि पुलिस को ठेकेदार से लेव्ही के बदले ट्रैक्टर खरीदने की जानकारी मिली। पुलिस को पता चला कि मदनवाड़ा क्षेत्र का अरविंद तुलावी एक ट्रैक्टर का उपयोग कर रहा है।

पुलिस ने मामले की छानबीन करते पाया कि राजनांदगांव बसंतपुर का रहने वाले ठेकेदार रामकिशन यादव द्वारा नक्सलियों को लेव्ही के तौर पर ट्रैक्टर खरीदकर दी गई है। इस आधार पर पुलिस ने अरविंद तुलावी के जरिये ठेकेदार और ट्रैक्टर एजेंट सुशील साहू को जन सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लिया।

पंचायत सचिव की भूमिका हुई उजागर

पूछताछ के दौरान मानपुर के रहने वाले पंचायत सचिव महेश मेश्राम की भी भूमिका सामने आई। ठेकेदार यादव और पंचायत सचिव मेश्राम के साथ मिलकर ट्रैक्टर खरीदने का इंतजाम किया गया था। पुलिस को सूचना थी कि सचिव मेश्राम का मोहला-मानपुर क्षेत्र में सक्रिय बड़े नक्सल नेताओं से संबंध रहा है।

5 लाख के इनामी नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा 26 जून 2024(ए)। नक्सलियों के विरूद्ध की जा रही कार्यवाही के दबाव के परिणाम स्वरूप प्रतिबंधित नक्सल संगठन में सक्रिय माओवादी हेमला बुधरा पिता स्व.जोगा (पीएलजीए बटालियन कंपनी नंबर 02 सप्लाई टीम डिप्टी कमाण्डर/पीपीसीएम ईनाम 05 लाख) निवासी कन्नेमरका थाना किस्टाराम जिला सुकमा ने आज बुधवार को नक्सल ऑपरेशन कार्यालय सुकमा में मनीष रात्रे, उप पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑप्स सुकमा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। उक्त माओवादी को आत्मसमर्पण प्रोत्साहित कराने में नक्सल सेल सुकमा की टीम का विशेष प्रयास रहा है।आत्मसमर्पित माओवादी को शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन नीति के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधायें प्रदाय कराया जायेगा।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 5 लाख का ईनामी आत्मसमर्पित नक्सली हेमला बुधरा पिता स्व.जोगा निवासी थाना किस्टाराम जिला सुकमा पीएलजीए बटालियन कंपनी नंबर 02 सप्लाई टीम डिप्टी कमाण्डर/पीपीसीएम) नक्सल संगठन में वर्ष 2010 से 07 माह तक ग्राम कन्नेमरका बाल संघम सदस्य। वर्ष 2016 से 2017 तक ग्राम कन्नेमरका डीएकेएमएस सदस्य। वर्ष 2018 माह दिसम्बर तक साकलेर मिलिशिया सदस्य। वर्ष 2019 से 2020 तक कन्नेमरका जीआरडी मिलिशिया सदस्य। वर्ष 2021 माह दिसम्बर तक दक्षिण बस्तर बटालियन कंपनी नंबर 01 का सदस्य। वर्ष 2022 माह जनवरी से 2023 माह नवम्बर तक दक्षिण बस्तर बटालियन कंपनी नंबर 03 प्लाटून 02 का पार्टी सदस्य। वर्ष 2023 माह दिसम्बर से अब-तक पीएलजीए दक्षिण बस्तर बटालियन सप्लाई टीम डिप्टी कमाण्डर/पीपीसीएम यदस्य के रूप में सक्रिय रहा धारित शस्त्र 12 बोर बंदूक।

जिसके नाम पर ट्रेक्टर खरीदा उसे मालूम ही नहीं

आईजी और एसपी ने बताया कि सचिव मेश्राम का लंबे समय से माड़ क्षेत्र में आना-जाना था। नक्सलियों के कहने पर एक फर्जी दस्तावेज सहयोगियों द्वारा तैयार किया गया। एक गरीब आदिवासी के नाम पर फर्जी दस्तावेज के जरिये 2019 में नक्सलियों के लिए ट्रैक्टर खरीदा गया। दिलचस्प बात यह है कि उक्त व्यक्ति को ट्रैक्टर खरीदी के संबंध में कुछ भी मालूम नहीं था।

चाकू से 8 बार गोदा,बीच बाजार में युवती की हत्या से सनसनी

गौरेला,26 जून 2024(ए)। यहाँ शहर में एक दिनदहाड़े वारदात को अंजाम दिया गया है। नकाबपोश एक युवक ने यहाँ सड़क पर ही युवती की सरेराह हत्या कर दी गई। कातिल युवक बाइक से पहुंचा हुआ था। उसने सात से आठ बार हथियार से युवती पर वार किया जिससे युवती की मौके पर ही मौत हो गई। मामला प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा हैं। हत्या की यह पूरी वारदात वहां लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक़ हत्या से पहले युवक ने युवती से उसका मोबाइल माँगा और फिर उसपर वार कर मौके से फरार हो गया। हैरानी की बात यह हैं कि इस दौरान किसी ने भी युवक को रोकने की कोशिश नहीं की। बहरहाल पुलिस ने नाकेबंदी शुरू कर दी हैं और हत्यारे युवक को पकड़ने की कोशिश में जुट गई हैं।

ज्वेलरी शॉप में काम करने वाली युवती ने किया आत्महत्या

कोरबा ,26 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से आत्महत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है. पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें युवती ने आत्महत्या की वजह लिखी है। मिली जानकारी के अनुसार, सीएसईबी चौकी क्षेत्र अंतर्गत मानस नगर निवासी एक युवती ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती ने दोपहर में खाने के बाद सुसाइड किया है। मौत से पहले युवती ने सुसाइड नोट लिखी थी। सुसाइड नोट में लिखा है आई लव यू माई फैमिली और सभी से माफी चाहती हूं, जिंदगी से परेशान हूं। मैं खुद की जिंदगी खुद के तरीके से जीना चाहती हूं, मैं अपनी खुशी के लिए आत्महत्या कर रही हूं मृतिका का नाम भगवती यादव उम्र 22 वर्ष है। वह एक ज्वैलर्स की दुकान में काम करती थी। मामले में पुलिस मर्ग कायम कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस ने सुसाइड नोट बरामद कर जांच शुरू कर दी है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)